● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर घमासान, कांग्रेस ने कहा 11 सीट चाहिए

04 जेपी आंदोलन के 50 वर्ष पर पूरे होने पर जेपी सेनानी संगठन ने लिया संकल्प

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, मंगलवार, 19 मार्च 2024 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 05, अंक: 19

मोदी ने 'शक्ति उन्मूलन' वाली टिप्पणी को लेकर राहुल पर बोला हमला

शिवमोग्गा (कर्नाटक)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की शक्ति उन्मूलन वाली टिप्पणी की सोमवार को कड़े शब्दों में आलोचना करते हुए कहा कि यह भारत की नारी शक्ति और हिंदू धर्म का अपमान है। श्री मोदी ने इंडिया समूह पर 'शक्ति' की अवधारणा को समाप्त करने का लक्ष्य रखने का आरोप लगाया और देश में महिलाओं की सेवा और उन्हें सशक्त बनाने के प्रति अपने समर्पण पर जोर दिया। उन्होंने यहां लोकसभा चुनाव से पहले एक सार्वजनिक सभा में कहा, " इंडिया समूह ने 'शक्ति' की अवधारणा को खत्म करने की घोषणा की है, जिससे न केवल हिंदू धर्म, बल्कि भारत की नारी शक्ति का अपमान हुआ है।"

उन्होंने कहा, 'मोदी भारत की माताओं, बेटियों और बहनों की सेवा और उन्हें सशक्त बनाने के लिए समर्पित हैं।'

गौरतलब है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने वाणिज्यिक नगरी मुंबई में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान श्री मोदी के बारे में टिप्पणी की थी कि वह सत्ता के लिए 'मुखौटा' हैं। उन्होंने कहा था, श्री मोदी के खिलाफ हमारी लड़ाई व्यक्तिगत स्तर पर नहीं है। श्री मोदी एक 'मुखौटा' हैं, जो 'शक्ति' के लिए काम करते हैं। वह एक उथले आदमी हैं, जिसके पास 56 इंच का सीना नहीं है। श्री मोदी ने शक्ति को खत्म करने के बारे में मुंबई के शिवाजी पार्क में की गई घोषणा का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे महाराष्ट्र की राजनीति में एक प्रमुख व्यक्ति रहे बाल ठाकरे की विरासत को नुकसान होगा।

उन्होंने कहा, " जब मैंने शिवाजी पार्क से शक्ति को खत्म करने की घोषणा सुनी, तो मैंने सोचा कि इससे श्री बाल ठाकरे की आत्मा को कितनी चोट पहुंची होगी।

मोदी ने किया लोकसभा चुनाव का शंखनाद

कांग्रेस–बीआरएस पर बोला हमला, भाजपा पर भरोसा करने की अपील

जगतियाल, तेलंगाना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना में 13 मई से होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए सोमवार को चुनावी अभियान का शंखनाद करते हुए कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर जोरदार हमला बोला तथा मतदाताओं से राज्य के विकास के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भरोसा करने की अपील की।

श्री मोदी ने निजामाबाद संसदीय क्षेत्र के जगतियाल में एक चुनावी रैली 'विजय संकल्प सभा' में एकत्रित हुए स्थानीय लोगों को तेलुगू भाषा में संबोधित किया। उन्होंने मतदाताओं से आगामी लोकसभा चुनावों में कांग्रेस तथा बीआरएस को हराने के दृढ़ लक्ष्य के साथ राज्य के विकास के लिए भाजपा को वोट देने अपील की।

उन्होंने आगामी चुनावों के महत्व को रेखांकित करते हुए तेलंगाना के प्रक्षेप पथ में एक परिवर्तनकारी बदलाव की कल्पना की, जो मतदाताओं द्वारा भाजपा के विकासात्मक एजेंडे के समर्थन से प्रेरित है। उन्होंने उत्साहपूर्वक 400 सीटों के आंकड़े को पार करने का दावा किया और मतदाताओं से भाजपा के पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया। श्री मोदी ने विपक्ष के इंडिया समूह के भीतर एकता की कमी की आलोचना की तथा साथ ही इसके सदस्यों के बीच आंतरिक असंतोष को उजागर किया। मुंबई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हाल की 'न्याय जोड़ो यात्रा' का जिक्र करते हुए उन्होंने विपक्ष के भीतर अव्यवस्था की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि श्री गांधी का यह वक्तव्य कि उनकी लड़ाई 'शक्ति' के खिलाफ है, असहमति और भ्रम का संकेत देता है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में महिलाओं के सशक्तीकरण पर जोर दिया और देश की नियति को आकार देने में उनके जबरदस्त प्रभाव की सराहना की। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर महिला शक्ति की उपेक्षा पर अफसोस जताया और उस पर शासन में महिलाओं की भूमिका को तुच्छ बनाने का आरोप लगाया।

कथित भ्रष्टाचार और कुप्रशासन के उदाहरणों को उजागर करते हुए श्री मोदी ने लोगों की शिकायतों को दूर करने में कांग्रेस और बीआरएस की निष्क्रियता की आलोचना की। उन्होंने बुनियादी ढांचे और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पर्याप्त निवेश का वादा करते हुए तेलंगाना की प्रगति को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। राजनीतिक औचित्य से अधिक जन कल्याण के प्रति भाजपा की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए श्री मोदी ने भ्रष्ट संस्थाओं को जवाबदेह ठहराने और सुशासन के सिद्धांतों को बनाए रखने का प्रण लिया।

कांग्रेस और बीआरएस को 'पारिवारिक दल' करार देते हुए श्री मोदी ने राजनीतिक भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार की गहरी संस्कृति की कड़ी निंदा की। उन्होंने कथित कदाचार के उदाहरणों का हवाला दिया और मतदाताओं से ऐसी प्रथाओं को अस्वीकार करने का आग्रह किया है।

श्री मोदी ने देश के हितों की सेवा के लिए भाजपा के दृढ़ समर्पण को दोहराया और आगामी चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए निर्णायक जीत का आह्वान किया। उन्होंने देश के भविष्य को आकार देने में सार्वजनिक हित की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए मतदाताओं से सोच-समझकर चुनाव करने का आग्रह किया।

बसपा सांसद संगीता आजाद भाजपा में शामिल

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ के लालगंज से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सांसद श्रीमती संगीता आजाद, बसपा पूर्व विधायक आजाद अरिमर्दन एवं उच्चतम न्यायालय की अधिवक्ता श्रीमती सीमा कुशवाहा ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, उत्तर प्रदेश उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, उत्तरप्रदेश भाजपा प्रदेशाध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रभारी संजय मयूख की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

बिहार में राजग की सीटों का बंटवारा

भाजपा 17, जदयू 16, लोजपा 5

नयी दिल्ली। लोकसभा चुनावों के लिए बिहार में 40 सीटों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सदस्य दलों में सीटों का बंटवारा हो गया है जिसके अनुसार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 17, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) 16, लोक जनशक्ति पार्टी -रामविलास (लोजपा) 05, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चा (रालोमो) एक -एक सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में पार्टी में बिहार के प्रभारी विनोद तावड़े, जदयू के राष्ट्रीय महामंत्री संजय कुमार झा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी और हम के प्रदेश अध्यक्ष रजनीश कुमार ने एक संवाददाता सम्मेलन में एक साथ इसका ऐलान किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राजग को 400 पार पहुंचाने के संकल्प को पूरा करने के लिए बिहार की सभी 40 सीटें जीत कर देने का इरादा व्यक्त किया। सभी नेताओं ने सीट बंटवारे पर संतोष व्यक्त किया।

श्री तावड़े ने कहा कि बिहार में राजग के पांच सदस्य दल -भाजपा, जदयू, लोजपा, हम एवं रालोमो के चुनाव चिह्नों पर राजग के रूप में एक साथ चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव चिह्न भले ही अलग हों लेकिन सभी पांचों दल एक साथ सभी 40 सीटों पर ताकत लगाएंगे और जीत कर आएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा 17 सीटों पर, जदयू 16 सीटों पर, लोजपा पांच सीटों पर तथा हम एवं रालोमो एक एक सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

भाजपा महासचिव ने कहा कि भाजपा जिन सीटों पर लड़ेगी, वे हैं -पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, औरंगाबाद, मधुबनी, अररिया, दरभंगा, मुज़फ्फरपुर, महाराजगंज, सारण, उजियारपुर, बेगूसराय, नवादा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर एवं सासाराम। जदयू जिन सीटों पर लड़ेगी, वे हैं - वाल्मीकिनगर, सीतामढ़ी, झंझारपुर, सुपौल, किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, मधेपुरा, गोपालगंज, सीवान, भागलपुर, बांका, मुंगेर, नालंदा, जहानाबाद एवं शिवहर।

चुनाव 2024 | **राहुल गांधी ने लगाया आरोप**

मोदी के अधर्म, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहे हैं हम

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पूंजीपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए अधर्म, भ्रष्टाचार और झूठ की शक्ति का इस्तेमाल कर रहे हैं और कांग्रेस इसी शक्ति के खिलाफ लड़ रही है। श्री गांधी ने सोमवार को ट्वीट कर कहा, ₹मोदी जी को मेरी बातें अच्छी नहीं लगतीं, किसी न किसी तरह उन्हें घुमाकर वह उनका अर्थ हमेशा बदलने की कोशिश करते हैं क्योंकि वह जानते हैं कि मैंने एक गहरी सच्चाई बोली है। जिस शक्ति का मैंने उल्लेख किया, जिस शक्ति से हम लड़ रहे हैं, उस शक्ति का मुखौटा मोदी जी हैं। वह एक ऐसी शक्ति है जिसने आज भारत की आवाज़ को, भारत की संस्थाओं को, सीबीआई, आईटी, ईडी, चुनाव आयोग को, मीडिया को, भारत के उद्योग जगत को, और भारत के समूचे संवैधानिक ढाँचे को ही अपने चंगुल में दबोच लिया है।

उन्होंने कहा, उसी शक्ति के लिए नरेंद्र मोदी जी भारत के बैंकों से हज़ारों करोड़ के क़र्ज़ माफ़ कराते हैं जबकि भारत का किसान कुछ हज़ार रुपयों का क़र्ज़ न चुका पाने पर आत्महत्या करता है। उसी शक्ति को भारत के बंदरगाह, भारत के हवाई अड्डे दिये जाते हैं जबकि भारत के युवा को अग्निवीर का तोहफ़ा दिया जाता है जिससे उसकी हिम्मत टूट जाती है। उसी शक्ति को दिन रात सलामी ठोकते हुए देश की मीडिया सच्चाई को दबा देती है। उसी शक्ति के कारण नरेंद्र मोदी जी देश के गरीब पर जीएसटी थोपते हैं, महंगाई पर लगाम न लगाते हुए, उस शक्ति को बढ़ाने के लिए देश की संपत्ति को नीलाम करते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा ₹उस शक्ति को मैं पहचानता हूँ, उस शक्ति को नरेंद्र मोदी जी भी पहचानते हैं, वह किसी प्रकार की कोई धार्मिक शक्ति नहीं है, वह अधर्म, भ्रष्टाचार और असत्य की शक्ति है इसलिए जब-जब मैं उसके ख़िलाफ़ आवाज उठाता हूँ, मोदी जी और उनकी झूठों की मशीन बौखलाती है, भड़क जाती है। पार्टी के संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, ₹जब से राहुल गांधी जी ने आसुरी शक्ति पर हमला बोला है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित पूरी भाजपा बौखला गई है। लेकिन याद रहे कि यह चुनाव 'दैवीय शक्ति' और 'आसुरी शक्ति' के बीच है जिसमें जीत दैवीय शक्ति की होगी।

छह विधायकों को अयोग्य ठहराने के विस अध्यक्ष के फैसले पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पार्टी व्हिप का उल्लंघन कर राज्यसभा चुनाव के दौरान मतदान के लिए अयोग्य ठहराए जाने के फैसले के खिलाफ हिमाचल प्रदेश के छह कांग्रेस विधायकों की याचिका पर सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष को नोटिस जारी किया लेकिन उनके फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने उन छह विधायकों की याचिका पर विचार करने का फैसला किया, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष के 29 फरवरी के आदेश पर रोक लगाने की उनकी गुहार ठुकरा दी। पीठ ने कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई मई में करेगी।

पीठ ने कहा, ₹हम नोटिस जारी कर सकते हैं। अध्यक्ष के आदेश पर रोक नहीं लगाई जा सकती है।

विधानसभा अध्यक्ष द्वारा अयोग्य घोषित विधायकों का पक्ष वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने रखा। उन्होंने अदालत से विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले पर रोक लगाने की गुहार लगाई थी। दूसरी ओर, वरिष्ठ वकील ए एम सिंघवी ने विधानसभा अध्यक्ष का पक्ष रखा।

शीर्ष अदालत इस मामले में अगली सुनवाई छह मई 2024 को करेगी। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने 29 फरवरी 2024 को कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार ए एम सिंघवी को वोट न देने को पार्टी व्हिप का उल्लंघन मानते हुए छह विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया था। छह विधायकों में- राजिंदर सिंह राणा, सुधीर शर्मा, चैतन्य शर्मा, रवि ठाकुर, इंदर दत्त लखनपाल और दविंदर भुट्टो शामिल हैं।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

एलान से पहले ही कट गया 8 सांसदों का पत्ता

पटना। एनडीए ने दिल्ली में गठबंधन की पार्टियों के बीच सीट बंटवारे का एलान किया. एनडीए में सीट बंटवारे के एलान के साथ ही बिहार के 8 सांसदों का पत्ता साफ हो गया है. वैसे, जब उम्मीदवारों के नाम का एलान होगा तो कई और सांसदों का टिकट कट सकता है. वैसे एनडीए में हुए सीट शेयरिंग में पहली नजर में दिख रहा है कि चिराग पासवान फायदे में रहे, बीजेपी ने पुरानी स्थिति बरकरार रखी और जेडीयू को नुकसान हुआ।

दिल्ली के बीजेपी कार्यालय में हुए प्रेस कांफ्रेंस में एनडीए के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे का एलान किया गया. इसके मुताबिक बीजेपी 17 सीटों पर, जेडीयू 16 सीटों पर, लोजपा(रामविलास) पांच सीटों पर, उपेंद्र कुशवाहा की रालोद एक सीट पर और जीतन राम मांझी की हम एक सीट पर चुनाव लडेगी. बता दें कि पिछली दफे बीजेपी और जेडीयू 17-17 सीटों पर चुनाव लड़ी थी. लोजपा को 6 सीट मिली थी. लोजपा बाद में दो हिस्सों में विभाजित हुई. सिर्फ एक सांसद वाली चिराग के नेतृत्व वाले लोजपा(रामविलास) को पांच सीट दी गयी है। सीट बंटवारे में तय फार्मूले के मुताबिक जेडीयू ने अपनी दो सीटिंग सीट छोड़ी है. जेडीयू के कब्जे वाली दो सीटों गया और काराकाट को उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी को दे दिया गया है. गया से जेडीयू के विजय कुमार मांझी सांसद हैं. वहीं, काराकाट में जेडीयू के महाबली सिंह सांसद हैं. दोनों की सीट राष्ट्रीय लोक मोर्चा और हम पार्टी को दे दी गयी है. अब काराकाट से उपेंद्र कुशवाहा चुनाव लड़ेगे. वहीं, गया से हम पार्टी के जीतन राम मांझी चुनाव लड़ने जा रहे हैं. यानि विजय कुमार मांझी और महाबली सिंह उम्मीदवारों के नाम के एलान से पहले ही बेटिकट हो गये हैं। उधर बीजेपी ने भी अपने कब्जे वाली एक सीट छोड़ दी है. बीजेपी ने शिवहर सीट जेडीयू को सौंप दिया है. इस सीट से बीजेपी की रमा देवी सांसद हैं. जेडीयू इस सीट से लवली आनंद को लड़ाने जा रही है. जाहिर है रमा देवी का पत्ता साफ हो गया है।

सबसे बुरी स्थिति पशुपति कुमार पारस की पार्टी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी की हुई है. उन्हें एनडीए गठबंधन से बाहर कर दिया गया है. हाजीपुर से सांसद पशुपति कुमार पारस, समस्तीपुर से प्रिंस राज, खगड़िया से महबूब अली कैसर, नवादा से चंदन सिंह और वैशाली से वीणा देवी एनडीए के टिकट से बेदखल हो गये हैं।

बिहार के गृह सचिव हटे

मोतिहारी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने छह राज्यों गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गृह सचिव को हटाने के आदेश जारी किए हैं. साथ ही मिजोरम और हिमाचल प्रदेश में सामान्य प्रशासनिक विभाग के सचिव को भी हटा दिया गया है. चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को हटाने के लिए भी आवश्यक कार्रवाई की है.16 मार्च को चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान करने के दौरान ही साफ कर दिया था कि जो भी अधिकारी तीन साल से अधिक समय से एक ही स्थान पर पदस्थापित हैं, उनको बदला जाएगा।

बिहार में सभी 40 सीट पर NDA की जीत तय' सीटों के एलान के बाद सुशील मोदी का दावा

पटना। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी ने कहा है कि बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए एनडीए में बिना किसी विवाद के सीटों का बंटवारा हो जाना, अबकी बार-400पार के लक्ष्य की ओर बड़ा कदम है।

सुशील मोदी ने कहा कि भाजपा 17, जदयू 16, चिराग पासवान की लोजपा 5 और एक-एक सीट पर जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी चुनाव लड़ेगी। सभी 40 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा भी जल्द हो जाएगी। इंडी गठबंधन में महीनों से सीटों के तालमेल पर बात चल रही है, लेकिन अभी तक वे कोई फैसला नहीं कर पाए।

उन्होंने कहा कि 2019 में एनडीए में तीन पार्टियां थीं और 39 सीटों पर जीत हुई थी। इस बार पांच पार्टियों वाला यह गठबंधन सभी 40 सीटों पर विजयी होगा। भाजपा चुनाव की तारीख घोषित होने से पहले ही लोकसभा की 267 सीटों पर अपने प्रत्याशी तय कर चुकी है। यह आत्मविश्वास पीएम मोदी की गारंटी और गरीबों, युवाओं, किसानों, महिलाओं की सेवा में 10 साल के सरकार के काम से पैदा हुआ। विपक्ष के पास न कोई मुद्दा है, न उनके वादों पर कोई भरोसा करता है।

पूर्व सांसद लवली आनंद ने थामा जदयू का दामन

पटना। बेटे के पाला बदलने के बाद अब पूर्व सांसद लवली आनंद ने भी राजद का साथ छोड़ दिया है। पटना में पूर्व सांसद लवली आनंद, उनके पुत्र अंशुमन आनंद एवं राजद के पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित कुमार वर्मा ने सोमवार को प्रदेश कार्यालय में जनता दल (यू) का दामन थामा। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद रजीव रंजन सिंह 'ललन' एवं बिहार सरकार के मंत्री सह वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से लवली आनंद एवं अन्य नेताओं को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलवाई।

मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि पूर्व सांसद लवली आनंद के आने से पार्टी को पूरे प्रदेश में नई गति और मजबूती मिलेगी। लवली आनंद के परिवार का स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पूरे बिहार में उनके परिवार का व्यापक राजनीतिक प्रभाव है। जदयू परिवार में लवली आनंद के साथ आए सभी नए साथियों का हम हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हैं।

पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद राजीव रंजन ने कहा कि पूर्व सांसद लवली आनंद समता काल से ही पार्टी के साथ रही हैं। आज उन्होंने पुनः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास कार्यों एवं विचारों में आस्था व्यक्त करते हुए जद(यू) परिवार में शामिल होने का निर्णय लिया है। ललन सिंह ने कहा कि जनता दल(यू) एक पार्टी नहीं परिवार है। इस परिवार में सभी नए सदस्यों का हम हार्दिक स्वागत करते हैं। पूर्व सांसद लवली आनंद ने कहा कि भाड़े के घर को छोड़कर पुनः घर में शामिल होना मेरे लिए प्रसन्नता का विषय है। राजद में हमें उचित सम्मान नहीं दिया गया। हमारे समाज पर कुठाराघात किया गया। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए कहा कि विकास उनका प्रमुख एजेंडा रहा है। वे सभी धर्म एवं समाज को साथ लेकर चलने की बात करते हैं। लवली आनंद ने कहा कि पार्टी हमारी जो भी जिम्मेदारी तय करेगी उसका हम पूरी जिम्मेदारी से निर्वहन करेंगे। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने बिहार में राजग गठबंधन में सीटों का बंटवारा करने के क्रम में शिवहर सीट जदयू को सौंप दिया है।

विकसित भारत के संकल्पना की पूर्ति में शिक्षकों की भूमिका अहम : डॉ अजय प्रकाश

पटना। कंप्यूटर एजुकेशन काउंसिल द्वारा फ्रेजर रोड स्थित एक होटल के सभागार में नेशनल कंप्यूटर एजुकेशनल अवेरनेस कॉन्फ्रेंस सह फेलिशिरेन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन संस्था के सचिव डॉ. अजय प्रकाश, सत्यम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के प्रिंसिपल डॉ. आर के चौधरी, डॉ पीसी कंप्यूटर के निदेशक डॉ विकास ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इस दौरान डॉ अजय प्रकाश ने बताया कि शिक्षा व्यवसाय में सेवा निहित है समाज के विकास एवं विकसित भारत के संकल्पना की पूर्ति में शिक्षकों की अहम भूमिका है। उन्होंने बताया कि समाज में शिक्षकों का अतुलनीय योगदान है।

सत्यम ग्रुप ऑफ कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ आर के चौधरी ने शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए समाज को प्रेरित करने हेतु बेहतर टिप्स दिया।

सीमांचल नर्सिंग महाविद्यालय के परमानंद कुमार द्वारा नर्सिंग से संबंधित पाठ्यक्रम सहित कंप्यूटर, पैरामेडिकल, फार्मेसी, एक्यूप्रेशर व योग की डिमांड एवं उपलब्धता के साथ सरकारी योजनाओं की कंप्यूटर एजुकेशन विस्तृत जानकारी दी।

मौके पर कई राज्यों के कंप्यूटर संस्थाओं के 200 से अधिक संचालक उपस्थित थे। जिन्हें अच्छे कार्य हेतु ओनर अवार्ड से सम्मानित किया गया तथा रिया कुमारी को बेस्ट इम्पलाई ऑफ ईयर के सम्मान से सम्मानित किया गया। वहीं कॉम्प्यूटर एजुकेशन काउंसिल के केंद्र संचालकों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में निर्णय लिया गया कि आगामी समय में कंप्यूटर ओलिम्पियाड का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन संजय कुमार व धन्यवाद ज्ञापन परमानंद कुमार ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रिया कुमारी, श्रुति कुमारी, जितेंद्र कुमार, रोशनी कुमारी, रितेश कुमार व अजय कुमार आदि का योगदान सराहनीय रहा।

पप्पू यादव पर आचार संहिता उल्लंघन का पहला केस दर्ज

पूर्णिया। जाप सुप्रीमो पप्पू यादव पर पूर्णिया में आचार संहिता उल्लंघन का पहला केस दर्ज हुआ। पूर्णिया के एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा ने बताया कि पप्पू यादव सहित दो लोगों पर आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। यह केस कसबा के अंचल अधिकारी रीता कुमारी द्वारा कसबा थाना में दर्ज कराई गई है। जाप सुप्रीमो पप्पू यादव तथा कसबा के रहने वाले पप्पू चौरसिया के विरुद्ध यह केस दर्ज कराया गया है। पूर्णिया एसपी ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लगने के बाद 17 मार्च को बिना किसी परमिशन के पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कसबा कॉलेज के बगल में पप्पू चौरसिया के घर पर जनसभा आयोजित किया था। इस जनसभा में लगभग 500 लोग शामिल हुए थे। उनके द्वारा इस सभा के दौरान यह भी कहा गया कि आपको अगर 1000/500 की जरूरत पड़े तो किसी से लेने की आवश्यकता नहीं है।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

झुलसने से महिला की मौत

बीएनएम@केसरिया। गैस सिलिंडर में लगी आग की चपेट में आने से रविवार को एक महिला बुरी तरह झुलस गई। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई है। घटना थाना क्षेत्र के लोहरगावां की है। मृतका उक्त गाँव के भुजन कुमार की पत्नी पूजा कुमारी (25) बतायी जाती है। घटना के बारे में बताया जाता है कि रविवार को पूजा खाना बना रही थी। इसी दौरान गैस सिलिंडर में आग लग गई। आग पर काबू पाया जाता इससे पहले पूजा बुरी तरह झुलस गई। आनन-फानन में स्वजनों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केसरिया लाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया। जहाँ मुजफ्फरपुर स्थित एक अस्पताल में इलाज के क्रम में दम तोड़ दिया। मृतका को दो अबोध पुत्री है। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि मामले में थाना में कोई आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने पर अग्रतर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस व बीएसएफ के जवानों ने निकाला फ्लैग मार्च

बीएनएम@केसरिया। लोकसभा चुनाव व होली पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर बीएसएफ और थाना पुलिस के जवानों ने सोमवार को फ्लैग मार्च निकाला। इस फ्लैग मार्च का नेतृत्व थानाध्यक्ष उदय कुमार ने किया।

मार्च में शामिल पुलिस अधिकारी व जवानों ने नगर के विभिन्न जगहों का भ्रमण कर स्थिति की जानकारी ली। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि इस फ्लैग मार्च का उद्देश्य है कि लोग भयमुक्त रहें। लोगों को यह महसूस हो कि हमारे आसपास पुलिस के जवान मौजूद हैं। इसलिए शांति व्यवस्था कायम करने को लेकर यह फ्लैग मार्च निकाला गया है। मौके

पर एसआई नवल किशोर, पीएसआई राजीव रंजन, बीएसएफ के एसआई रणवीर सिंह, उत्तम सिंह, मुन्नी पाण्डेय समेत सशस्त्र बल शामिल थे।

जिलाधिकारी ने डिस्पैच सेंटर का किया निरीक्षण

केसरिया विस के लिए केसरिया उच्च विद्यालय को बनाया गया है डिस्पैच सेंटर

बीएनएम@केसरिया। लोकसभा चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर प्रशासनिक तैयारी जोरों पर है। लिहाजा वरीय अधिकारियों द्वारा क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर चुनाव संबंधित आवश्यक कार्यों की तैयारी का जायजा लिया जा रहा है। सोमवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने उच्च विद्यालय केसरिया का निरीक्षण किया। केसरिया विधानसभा के लिए इस उच्च विद्यालय को डिस्पैच सेंटर बनाया गया है। निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी को डिस्पैच सेंटर को पूर्ण रूप से तैयार कर लेने का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि मतदान की तिथि से 10 दिन पहले जिला स्ट्रांग रूम से यहाँ ईवीएम लाया जाएगा। उसका कमिशनिंग भी यही किया जाएगा। कमिशनिंग कार्य के समय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला प्रतिनिधियों को भी यहाँ बुलाया जाएगा। उनके समक्ष ही सभी कार्य संपादित किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि डिस्पैच सेंटर पर सभी जरूरी सुविधा पेयजल, बिजली शौचालय आदि की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करें। डीएम ने कहा कि शीघ्र ही पुनः इसका निरीक्षण कर कार्य प्रगति का जायजा लिया जाएगा। मौके पर डीडीसी समीर सौरभ, प्रशिक्षु बीडीओ दीप्ती शिखा, बीएओ राजेश कुमार, बीपीआरओ खुशबू, पीओ अमित नारायण सहित अन्य मौजूद थे।

तुरकौलिया से पकड़े गए साइबर फ्रॉड भाइयों का हैं पाकिस्तान से कनेक्शन

मुजफ्फरपुर पुलिस को बताया है अपने अन्य साथी का नाम।

पुलिस नाम गोपनीय रख जांच में है जुटी। शंकर सरैया दक्षिणी पंचायत के मुंशी इनार के है दोनो सगे भाई।

पुलिस ने लैपटॉप व कई एटीएम कार्ड के साथ दो दिन पहले रात में था पकड़ा

तुरकौलिया। थाना क्षेत्र अंतर्गत शंकर सरैया दक्षिणी पंचायत के मुंशी इनार गांव से पकड़े गए दो साइबर फ्रॉड ने पुलिस के समक्ष कई राज उगला है। उक्त साइबर फ्रॉड गिरोह का पाकिस्तान से कनेक्सन मिला है। जिसकी जांच में पुलिस जुटी हुई है।

पकड़े गए दोनो साइबर फ्रॉड शेख अब्बास के पुत्र अरशद आलम व अमजद आलम है। जिसे शनिवार की रात मुजफ्फरपुर पुलिस ने मुंशी इनार से उसके घर से पकड़ा था। पकड़े गए दोनो साइबर फ्रॉड अपने घर से एक कमरे से लैपटॉप के जरिए भोले भाले लोगो को फोन कर झांसा में लेकर उनकी खाता से रूपया निकासी करने का काम करते थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पकड़े गए साइबर फ्रॉड गैंग का कनेक्सन पाकिस्तान से मिला है।

अरशद व अमजद ने अपने अन्य साथियों के नाम का भी खुलासा किया है। जो इस गिरोह में काम करते है। बताया जाता है कि पुलिस उक्त दोनों के घर से लैपटॉप व कई एटीएम कार्ड बरामद किया है।

मुजफ्फरपुर साइबर थाना पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष सुरेश कुमार यादव ने बताया कि पकड़े गए दोनो साइबर फ्रॉड भाई को मुजफ्फरपुर पुलिस पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

मतदान के लिए घर घर दस्तक दे रही है जीविका दीदी

बेतिया। लोकसभा चुनाव के तिथि की घोषणा होने के साथ ही जीविका दीदियों द्वारा मतदाता जागरुकता अभियान को और भी तीव्र कर दिया गया है। स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन एवं संकुल संघ की नियमित बैठक में आगामी लोक सभा चुनाव में दीदी और उनके परिवार के वयस्क सदस्यों को अनिवार्य रूप से मतदान करने पर चर्चा कर उसके क्रियान्वयन की योजना बनाई जा रही है।

साथ ही साथ सभी जीविका दीदी ग्राम संगठन में सामूहिक रूप से शपथ भी ले रही हैं। ग्राम संगठन के पोषक क्षेत्र में रैली का आयोजन कर गाँव के लोगों से संवाद स्थापित कर वातारण निर्माण कर रही हैं। ऐसे ही एक आयोजन में मधुबनी प्रखंड के कठार पंचायत के धवाहिया गाँव में धनलक्ष्मी ग्राम संगठन की बैठक सीमा देवी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सीमा देवी ने उपस्थित दीदियों को अनिवार्य रूप से परिवार के सभी सदस्यों के साथ मतदान करने की अपील की। साथ ही साथ जीविका दीदियों ने ₹जीविका दीदी करे पुकार मतदान करना हमारा अधिकार₹ जैसे नारे लगा कर लोगों को मतों का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

इस मौके पर प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक नीतेश कुमार ने जानकारी दी कि 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए जागरुकता अभियान कार्यक्रम को तेज़ कर दिया गया है। जीविका दीदी रंगोली, मेहंदी प्रतियोगिता जैसे आयोजन के अतिरिक्त अब घर-घर दस्तक देकर भी मतदाताओं को जागरूक कर रही हैं।

विकसित भारत 2047 : युवाओं की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ

मोतिहारी। सोमवार को शहर के एलएनडी कॉलेज में दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित विकसित भारत 2047 : युवाओं की भूमिका विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति,नई दिल्ली के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद, एलएनडी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा, इतिहास के विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

सेमिनार की अध्यक्षता समाजसेवी केशव कृष्णा ने की। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने मुख्य अतिथि डॉ. ज्वाला प्रसाद को शॉल व बुके देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि देश की आत्मनिर्भरता ही विकसित भारत की सार्थकता है और यह कार्य 2047 तक पूरा होना है। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार ने कहा कि हमारे देश में 66 प्रतिशत आबादी युवाओं की है और देश को विकसित बनाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। मुख्य अतिथि डॉ. ज्वाला प्रसाद

ने सेमिनार को संबोधित करते हुए बताया कि हम सभी भाग्यशाली है जो हमारा जन्म भारत जैसे देश में हुआ है। इस देश में जन्म लेने के लिए देवता भी लालायित रहते हैं।

इस देश को विकसित बनाने में युवा वर्ग का बहुत बड़ा योगदान होना चाहिए। सभी युवाओं को देश के प्रति समर्पित होने की आवश्यकता है और लक्ष्य तय करके पवित्र भाव से कार्य करना होगा। शिखर पर पहुंचने के लिए जड़ को मजबूत करके की जरूरत है। कड़ी मेहनत से आत्मसंतुष्टि मिलती है और आत्मसंतुष्टि से आत्मविश्वास बढ़ता है।

इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत में अंजली,रिमझिम,मनीषा,सलोनी, स्वाति और सोनाली ने स्वागत गान प्रस्तुत किया। उक्त सेमिनार में डॉ.सर्वेश दुबे, डॉ. दुर्गेशमणि तिवारी, डॉ. पिनाकी लाहा, प्रो. राकेश रंजन कुमार, प्रो. अरविंद कुमार, प्रो. कुमार राकेश रंजन, डॉ. रवि रंजन सिंह,डॉ. संतोष बिश्नोई, जौआद हुसैन, डॉ. परमानंद त्रिपाठी, डॉ. प्रियरंजन झा,डॉ. दीपक, डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य, राजीव कुमार, कामेश भूषण, डॉ. भुनेश्वर सिंह, ऋतुरंजन कुमार सहित अन्य की उपस्थिति रही।

कवि जाँच घर
Mob.:7033441319 Tollfree: 1800 3099 895
Address : Bhawanipur Zirat, Motihari, East Champaran-845401
website: www.kavidiagnostics.com | email: drsanjaykumar63@gmail.com
डॉ.संजय कुमार
MBBS (DAR)
MD (Microbiology)

द्वि-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न

बीएनएम@मोतिहारी

हमारी भारतीय संस्कृति मातृदेवो भव, पितृदेवोभवः, असतो मा सदगमय की संस्कृति है समापन सत्र की अध्ययक्षता कर रहे मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि जो हित के भाव से संबद्ध है वही साहित्य है, जिसमें हित का भाव समाहित है वही साहित्य है। भारतवर्ष के सन्दर्भ में जितनी परिकल्पना हैं वे सभी महाभारत में है।

अभिज्ञानशाकुंतलम की चर्चा करते हुए कहा कि अभिज्ञानशाकुंतलम का नायक दुष्यंत उत्तम राजधर्म का पालन करने वाला है। हमारा जो स्वधर्म है वही राजधर्म है। राजा प्रजा का प्रतिनिधि होता है इसीलिए प्रजानुसार ही वह शासन करता है। राम का उल्लेख करते हुए उन्होंने राम को स्वधर्म स्वीकार करते हुए वन गमन करने वाला बताया। वे कहते हैं कि जब राजा अपने स्वधर्म का पालन करते हुए अध्यात्म सत्ता से अनुप्रेरित होते हुए राजसत्ता को अध्यात्म सत्ता के ऊपर नहीं आने देता वहीं योग्य राजा है। अंत में उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति मातृदेवो भव, पितृदेवोभवः, असतो मा सदगमय की संस्कृति है।

मुख्य अतिथि प्रो दिलीप कुमार झा ने अपने उद्बोधन में वेदों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वेद साक्षात विष्णु हैं। वेदों का महत्व अतुलनीय है। भारत अपने संस्कृति के माध्यम से अपने को संस्कारित करता ही है साथ ही यह विश्व को भी संस्कारित करता है। जिसका परिणाम है कि भारत को विश्वगुरु की संज्ञा से अभिहित किया गया है।

सारस्वत अतिथि डॉ धनंजय वासुदेव द्विवेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कालिदास ने अपनी पुस्तक अभिज्ञानशाकुंतलम में राजधर्म की विस्तार से चर्चा की है। विष्णुपुराण की चर्चा करते हुए बताया कि भारत एक अद्भूत देश है जो अपने आप में तेजस्विता लिए हुए है। मानव जीवन में कर्म की महत्ता को प्रतिपादित किया । अंत में उन्होंने गीता और रामचरितमानस की बातों को जीवन में उतारना जरूरी है तभी मानव कल्याण और मानव जीवन वैभवशाली बन सकेगा।

सम्मानित वक्ता देवेश चन्द्र पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानव कल्याण के लिए अपने जीवन को सरल बनाना आवश्यक है। जीवन में स्वास्थ्य को महत्व देना आवश्यक है क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का विकास हो सकता है। अंत में उन्होंने कहा कि विनम्रता मानव कल्याण के मूल में है। अतः विनम्र रहकर मानव कल्याण में तत्पर रहने की आवश्यकता है।

सम्मानित अतिथि अधिष्ठाता प्रो शिरीष मिश्रा ने भारत वर्ष त्याग की भूमि है और त्याग की भावना में आनंद निहित है। हमें भारतीय साहित्य से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है, सत साहित्य पढ़ने की आवश्यकता है । अंत भारतीय संस्कृति की मूल्य चिन्तन अतिथि देवो भावो की ओर विशेष समर्पित रहने की बात कही।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ श्याम कुमार झा ने कहा कि मानव कल्याण से बड़ा धर्म कोई नहीं है। राम के आदर्श रूप को अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है। राजा और प्रजा दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। राजा और प्रजा दोनों में सामंजस्य जरूरी है।

यह संगोष्ठी कुल पांच सत्रों में संपन्न हुई जिसमें कुल 52 शोधार्थी ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। मंचासीन अतिथियों का स्वागत करते हुए अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. विमलेश कुमार सिंह ने भारतीय सभ्यता के मूल उद्देश्य के रूप में वसुधैव कुटुम्बकम की भावना निहित है। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. बबलू पाल ने तथा धन्यवाद ज्ञापन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ विश्वजित बर्मन ने किया।

रक्सौल थाना परिसर कोर्ट कैंप का किया गया आयोजन

मोतिहारी। जिले के रक्सौल अनुमंडल पदाधिकारी शिवाक्षी दीक्षित के निर्देश पर सोमवार को रक्सौल थाना में कोर्ट कैंप आयोजित किये गये। जिसमे आगामी चुनाव को लेकर क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर की गई निरोधात्मक कार्रवाई मामले की सुनवाई की गई। इस अवसर पर धारा 107 की कार्रवाई में शामिल लोगो से बॉन्ड भरवाया गया। मौके पर एसडीएम शिवाक्षी दीक्षित ने बताया कि अनुमंडल क्षेत्र के रक्सौल थाना में कैम्प लगाया गया,वही 19 मार्च को रामगढ़वा थाना, 20 मार्च आदापुर थाना, 23 व 24 मार्च को छौडादानो थाना में कैंप लगाया जाएगा। चुनाव को शांतिपूर्ण कराने को लेकर अशांति फैलाने वालों को चिन्हित करते हुए 2463 लोगों पर धारा 107 की कार्रवाई पूरे अनुमंडल में की गई है। जिसे लेकर कोर्ट कैंप लगाकर इसकी सुनवाई के साथ धारा 107 की कार्रवाई की प्रकिया की गई। एसडीएम ने बताया कि सोमवार को तकरीबन 1238 लोगों ने थाना में आकर बांड भरा है। वही अन्य थाना में कैंप लगाकर बांड भरवाया जा रहा है।

ट्रक और ऑटो के बीच आमने सामने हुई टक्कर,एक की मौत

मोतिहारी। जिले के गोविंदगंज थाना क्षेत्र में रढिया राय टोला गांव के समीप अरेराज बेतिया मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रक और ऑटो के बीच सोमवार को आमने सामने हुई टक्कर में ऑटो सवार एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गाड़ी पर सवार लड़की गंभीर रूप से घायल हो गई। सभी घायलों का इलाज अरेराज रेफरल अस्पताल में चल रहा है।

घटना के बाद नाराज ग्रामीणों ने अरेराज-बेतिया मुख्य मार्ग को करीब दो घंटे तक जाम कर दिया, जिसकी सूचना पर मौके पर पहुंचे अरेराज एसडीपीओ व अन्य अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम ख़त्म कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि मलाही थाना क्षेत्र के ममरखा गांव निवासी अंगद तिवारी (40) ऑटो से अरेराज से बेतिया की ओर जा रहे थे।

इसी बीच बेतिया के तरफ से आ रही ट्रक ने ठोकर मार दिया, जिसमें उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई।जबकि ऑटो में सावर दो अन्य घायलों की पहचान मलाही थाना क्षेत्र के मझरिया गांव की श्रीमूखी कुमारी (19) और अरेराज के जनेरवा निवासी मुस्कान (13) के रूप में हुई है।

जेपी आंदोलन के 50 वर्ष पर पूरे होने पर जेपी सेनानी संगठन ने लिया संकल्प

मोतिहारी। जेपी छात्र आंदोलन के 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर जेपी लोकतंत्र सेनानी संगठन ने राय हरिशंकर शर्मा सभागार में समारोह का आयोजन कर भष्ट्राचार मिटाने का संकल्प लिया। समारोह की अध्यक्षता राय सुंदर देव शर्मा ने की।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने एक स्वर से कहा कि आज व्यवस्था पुरी तरह से सड गल गई है।जेपी आंदोलन में युवावस्था में सर पर कफन बांधकर आंदोलन में बढ चढ भूमिका निभाने वाले उम्र के सातवें -आठवें दशक में पहुंच चुके सेनानियों का लंबे समय के बाद कार्यक्रम मे मिलन हो रहा है जो सुखद है। अध्यक्षीय भाषण में राय सुंदर देव शर्मा ने कहा कि जीवन के कीमती समय को आंदोलन में लगाया लेकिन जिन उद्देश्यों को लेकर अपने जीवन की बाजी लगाई उस उद्देश्यों की पूर्ति नही हुई। उस समय भी भ्रष्टाचार ,महंगाई और बेरोजगारी थी साथ साथ शिक्षा की स्थिति लचर थी ।लेकिन आज उससे भी बदतर स्थिति है। अब आंदोलन भी बिकाऊ हो चुका है। एनजीओ के माध्यम से विदेशी फंड विदेशी विचारधारा को थोपने का काम कर रही है साथ -साथ देश को तोडना चाहती है।

पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर विनय वर्मा ने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा कि आपातकाल के दौरान बहुत से आंदोलनकारी भूमिगत हो गए कुछ बिखरे ।उस दौर में आरएसएस ने अग्रणी भूमिका निभाई और आठ जिलों का प्रभारी मुझे बनाया गया। उन्होंने कहा कि मेरे ऊपर मीसा भी लगा लेकिन मैं भूमिगत और बाहर रह कर आंदोलन में हमेशा सक्रिय रहा। जितेंद्र झा ने कहा कि जेपी के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए हर पल प्रयत्नशील है।अशोक वर्मा ने प्रत्येक प्रखंड मे जेपी सेनानी दरबार लगाकर जनता की समस्या को समाधान करने का प्रस्ताव रखा।

खनन विभाग ने बालू लदी ट्रक को किया जब्त

मोतिहारी। जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र में एसएच 74 पर ओभर लोड बालू लदी ट्रक को खनन विभाग ने जब्त किया है। वही खनन निरीक्षक प्रिया कुमारी के आवेदन पर चालक व ट्रक पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है। संग्रामपुर थानाध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि पकड़े गये ट्रक चालक की पहचान ललितेश्वर प्रसाद सिंह गांव दिलावरपुर थाना बिदुपुर जिला वैशाली के रूप में हुई है,जिन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया ।वही ट्रक लदी बालू को जब्त कर मामले की जांच की जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि खनन विभाग व संग्रामपुर पुलिस की संयुक्त कारवाई में पिछले दस दिनों में दियारा क्षेत्र से अवैध बालू खनन कर ले जा रहे दो ट्रेक्टर व टेलर को पकड़ कार्रवाई किया हैं। जिससे अवैध खनन करने वाले बालू कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ हैं।

साढे 43 किलो गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

मोतिहारी। जिला पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कारवाई करते हुए 43.515 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जानकारी एएसपी सदर शिखर चौधरी ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के बाद एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर सुगौली थाना क्षेत्र के मोतिहारी-बेतिया सीमा पर नाकाबंदी कर सघन वाहन जांच किया गया। वाहन जॉच के क्रम में श्रीपुर बॉर्डर चौक के समीप से कार पर सवार एक तस्कर को मादक पदार्थ (गांजा) के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसकी पहचान छबीला कुमार, थाना-बलथर, जिला-पश्चिम चंपारण के रूप में हुई है।इस संदर्भ में कार व गांजा को जब्त कर सुगौली थाना में तस्कर के विरूद्ध कांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।छापेमारी टीम में एएसपी शिखर चौधरी के अलावे सुगौली थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार, एसआई जवाहर प्रसाद, राजकिशोर सिंह, पीटीसी इंद्रजीत कुमार, पीटीसी रविन्द्र टिडु व सुगौली थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

पहली बार मतदाता बने युवाओं की लोकतंत्र के उत्सव में बड़ी भूमिका

नीरज चोपड़ा

प्रधानमंत्री की अपील के जवाब में, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और मनोरंजन उद्योग सहित विभिन्न प्लेटफार्मों के प्रभावशाली लोग सक्रिय रूप से इस अभियान का समर्थन कर रहे हैं और पहली बार मतदाता बने युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं। देश के कोने-कोने से खेल, मनोरंजन, व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ने वाले प्रमुख नाम इस संदेश को दूर-दूर तक फैलाने के लिए एक साथ आए हैं।

खिलाड़ी अपने समर्पण, दृढ़ता और टीम भावना के माध्यम से देश की सेवा करते हैं। चाहे घरेलू मैदान हो या विदेशी, देश की जर्सी पहनना एक विशेषाधिकार और जिम्मेदारी दोनों है। लेकिन दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र के एक अभिन्न अंग के रूप में हम खिलाड़ी और युवा भारतीय एक और विशेषाधिकार की आकांक्षा करते हैं-वह है मतदान। चुनाव लोकतंत्र का आधार होता हैं, जो नागरिकों को अपने प्रतिनिधियों को चुनने का महत्वपूर्ण अधिकार देता है। हालांकि, यह अधिकार निष्क्रिय नहीं है, चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल होना एक कर्तव्य है, विशेषकर युवाओं का। ऐतिहासिक रूप से, युवाओं ने सामाजिक परिवर्तन का नेतृत्व किया है और चुनावों में उनकी भागीदारी महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए, मतदाता पंजीकरण से लेकर जमीनी स्तर पर प्रचार अभियान तक के प्रत्येक चरण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता होती है।

पहली बार के मतदाता नए दृष्टिकोण के साथ पारदर्शिता और समावेश जैसे आदर्श लेकर आते हैं। एक युवा मतदाता की ऊर्जा और तकनीक-प्रेमी प्रकृति, चुनावी परिदृश्य को जीवंत बनाती है तथा नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप पहुंच और उत्तरदायित्व को बढ़ावा देती है। युवा निर्वाचित प्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाने एवं जनता से जुड़े मुद्दों का समर्थन करने व आवाज उठाने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा इस प्रकार लोकतंत्र के महत्व और इसके प्रति निष्ठा की रक्षा करते हैं। महात्मा गांधी के शब्दों में, 'भविष्य इस पर निर्भर करता है कि आप आज क्या करते हैं।' लोकतंत्र का पहिया एक बार फिर से घूम रहा है, भारत में आम चुनाव, 2024 की तैयारी चल रही है, ऐसे में राष्ट्र के भाग्य को स्वरूप देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया जाना जरूरी है। अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी प्रक्रिया में युवाओं की सहभागिता के महत्व पर जोर दिया और पहली बार मतदाता बने युवाओं के लिए लक्षित निर्वाचन आयोग के 'मेरा पहला वोट देश के लिए' अभियान के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने भारत के युवाओं के जोश और उत्साह की सराहना की तथा उनसे सक्रिय रूप से मतदान में भाग लेने की अपील की क्योंकि देश के भविष्य पर इसका प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।

पहली बार मतदाता बने युवाओं से रिकॉर्ड संख्या में भाग लेने की अपील करते हुए, उन्होंने देश की नियति को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विभिन्न सेक्टरों से जुड़े प्रभावशाली लोगों से अभियान में शामिल होने तथा सामाजिक बदलाव को प्रेरित करने में उनकी प्रभावी भूमिका को स्वीकार करते हुए युवा मतदाताओं को प्रोत्साहित करने की अपील की। चुनावी माहौल के बीच, उन्होंने युवाओं से न केवल राजनीतिक कार्यकलापों में भाग लेने का आग्रह किया बल्कि वर्तमान में जारी चचाओं और बहसों के बारे में भी जानकारी रखने की अपील की।

भारतीय निर्वाचन आयोग चुनावों में युवाओं की सार्वजनिक प्रबुद्ध सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'मेरा पहला वोट देश के लिए' अभियान चला रहा है। केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने अभियान गीत लॉन्च किया जो युवा मतदाताओं को उनके लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने की देश की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह अभियान गीत मतदाता जागरूकता अभियान का एक हिस्सा है जो चुनावी प्रक्रिया में युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी की अपील की भावना का प्रतीक है। देश भर के युवा इस अभियान गीत को अपने युवा मित्रों को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करने के आह्वान के रूप में अपना रहे हैं।

इस पहल के तहत उच्च शिक्षा संस्थान (एचईआई) देश भर में मतदाता जागरूकता कार्यकलापों का आयोजन कर रहे हैं और अधिक प्रतिनिधि लोकतंत्र के लिए मतदान करने के मूल्य पर जोर दे रहे हैं। जहां उच्च शिक्षा संस्थान वास्तविक कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं, ऑनलाइन प्रतियोगिताएं भी माईगव प्लेटफॉर्म पर आयोजित की जा रही हैं जिनमें ब्लॉग लेखन, पॉडकास्ट, वाद-विवाद आदि का आयोजन किया जा रहा है जिससे कि कंटेंट सृजन में रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया जा सके। कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, फ्लैश मौब्स तथा मतदाता संकल्प अभियान छात्रों को चुनावी प्रक्रिया की तरफ और अधिक आकर्षित कर रहे हैं तथा इन्हें इसके बारे में शिक्षित कर रहे हैं जिसमें एनएसएस स्वयंसेवक तथा संस्थान के क्लब सक्रिय रूप से अभियान में हिस्सा ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री की अपील के जवाब में, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और मनोरंजन उद्योग सहित विभिन्न प्लेटफार्मों के प्रभावशाली लोग सक्रिय रूप से इस अभियान का समर्थन कर रहे हैं और पहली बार मतदाता बने युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं। देश के कोने-कोने से खेल, मनोरंजन, व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ने वाले प्रमुख नाम इस संदेश को दूर-दूर तक फैलाने के लिए एक साथ आए हैं। इस अभियान में जसप्रीत बुमराह, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद सिराज, अवनि लेखारा, सैखोम मीराबाई चानू जैसे मेरे साथी खिलाड़ी और अनिल कपूर, प्रोसेनजीत चटर्जी, रवीना टंडन, राणा डूग्गुबाती, कैलाश खेर, श्रेया घोषाल जैसी फिल्मी हस्तियां व रितेश अग्रवाल, बी. वी. आर. मोहन रेड्डी जैसे उद्योग जगत के अगुआ और कई पद्म पुरस्कार विजेताओं ने भाग लिया है, जिससे यह अभियान मतदाता जागरुकता का एक 'राष्ट्रीय आंदोलन' बन गया है। यह 'जन आंदोलन' युवाओं की आवाज की सामूहिक शक्ति और देश के लोकतांत्रिक परिदृश्य को आकार देने में उनकी सक्रिय भागीदारी के महत्व को रेखांकित करता है। आइए हम इस जिम्मेदारी को उठाने और अपनी सामूहिक आवाज की ताकत का उत्सव मनाने के लिए एकजुट हों। आइए हम इस चुनौती को स्वीकार करें, आइए हम अपनी आवाज उठायें और आइए हम दूसरों को भी ऐसा करने के लिए सशक्त बनायें। एक एथलीट के रूप में, हम ट्रैक और फील्ड के चैंपियन हैं; लेकिन एक युवा के रूप में, हम 'परिवर्तन के वाहक' हैं। लोकतंत्र के खेल में, हर वोट का महत्व होता है और हर आवाज मायने रखती है।

(लेखक, भारतीय ट्रैक, फील्ड एथलीट और पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के मौजूदा ओलंपिक एवं विश्व चैंपियन हैं। यह उनके व्यक्तिगत विचार हैं।)

संपादकीय

काम कर गए कोविंद

रामनाथ कोविंद कमेटी ने ह्यएक देश, एक चुनावह्व पर अपनी सिफारिश राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी है। पिछले साल 2 सितम्बर को पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की अगुवाई में एक ताकतवर पैनल बनाया गया था। गृहमंत्री अमित शाह भी इसके हिस्सा थे। तभी साफ हो गया था कि नरेन्द्र मोदी सरकार ह्यएक देश, एक चुनावह्व पर हर हाल में आगे बढ़ना चाहती है। तर्क यह है इससे साल दर साल देश के किसी न किसी हिस्से में होने वाले चुनाव, इसका बेतहाशा खर्च, आचार संहिता से प्रभावित होने वाले सरकार के अन्य नीतिगत फैसले और सुरक्षा एजेंसियों के लंबे समय तक इंगेज के नुकसान आदि से छुटकारा मिल जाएगा। बचे संसाधन एवं ताकत का इस्तेमाल विकास के कामों में किया जा सकेगा। इन तथ्यों को मानते हुए छोटे दल ह्यएक चुनावह्व पर सहमत नहीं थे तो देश के संघीय ढांचे पर पड़ने वाले चोट की वजह से। उन्हें डर है कि इससे उनकी विधायी एवं संसदीय प्रतिनिधित्व का नुकसान होगा, जो अलग चुनाव में बना रहता आया है। पर यह डर फिजूल है क्योंकि 1967 से इसी व्यवस्था में छोटे दलों का कुछेक राज्यों में सत्ता थी। कोविंद की टीम ने इन मतभेदों और आलोचनाओं का बहुमत के आधार पर हल करने की कोशिश की है। फिर तो माना जाए कि इसे आसानी से लागू कर लिया जाएगा। नहीं, इसके लिए संविधान में संशोधन करना होगा। पहले चरण में लोक सभा और सभी विधानसभा चुनाव साथ कराएं जाएंगे और इसके लिए राज्यों से मंजूरी की जरूरत नहीं होगी। संविधान संशोधन के दूसरे चरण में लोक सभा, विधानसभा के साथ स्थानीय निकाय चुनाव हों। कोविंद कमेटी की ये भी सिफारिश है कि तीन स्तरीय चुनाव के लिए एक मतदाता सूची, फोटो पहचान पत्र जरूरी होगा। इसके लिए संविधान के अनुच्छेद 325 में संशोधन की जरूरत होगी, जिसमें कम से कम आधे राज्यों की मंजूरी चाहिए। साथ ही मध्यावधि चुनाव के बाद गठित होने वाली लोक सभा या विधानसभा का कार्यकाल उतना ही होगा, जितना लोक सभा का बचा हुआ कार्यकाल रहेगा। 32 राजनीतिक दल तो एक साथ सारे चुनावों के पक्ष में हैं, लेकिन कांग्रेस और टीएमसी समेत 15 दल इससे सहमत नहीं हैं। लोकतंत्र बहुमत से चलता है, फिर भी अधिकतम को साधने का प्रयास करना चाहिए।

चिंतन-मनन

ईश्वर को पाने के लिए प्रेम मार्ग से गुजरना होगा

प्रेम शक्ति भी है और आसक्ति भी। जब व्यक्ति का प्रेम कामना रहित होता है तो यह शक्ति होती है और जब प्रेम में किसी चीज को पाने का लोभ रहता है तो यह आसक्ति बन जाती है। सच्चा प्रेम वह होता है जो प्रेम में किसी प्रकार का लोभ और किसी चीज को पाने की कामना नहीं रखता है। ऐसा व्यक्ति प्रेम में ऐसा कमाल कर जाता है कि, बड़े से बड़े बलवान और धनवान उसके आगे घुटने टेक देते हैं। मीराबाई को दिया गया जहर असरहीन होना। ध्रुव को पहाड़ की चोटी से गिराने पर भी बच जाना, प्रह्लाह का आग के शोलों में भी मुस्कुराते हुए रहना और तुलसीदास का उफनती नदी को पार कर जाना यह प्रेम की शक्ति का उदाहरण है। संतजन कहते हैं कि जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से।

अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। संत श्री गोकुलनाथ जी ने कहा है कि जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो। बिना बीज के खेती भला कैसे हो सकती है।

इस संदर्भ में एक कथा है कि एक बार संत श्रीगोसाईं गोकुलनाथ जी के यहां एक धनवान व्यक्ति बहुत सारा धन लेकर शिष्य बनने की कामना से आया। गोसाईं जी ने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या तुम्हारा कहीं किसी वस्तु पर ऐसा स्नेह है, जिसके बिना तुम्हारा मन व्याकुल हो जाता हो। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया मेरा कहीं किसी वस्तु में तनिक भी स्नेह नहीं है। उत्तर सुनकर गोसाईं जी ने कहा कि फिर तो हम तुम्हें दीक्षा कदापि नहीं दे सकते। तुम किसी और गुरू को ढूंढ लो। भक्तिमार्ग में प्रेम ही प्रधान है। व्यक्ति का जो प्रेम संसार से होता है, दीक्षा शिक्षा से उसी को पलटकर भगवान में लगा दिया जाता है। जब तुम्हारे हृदय में कहीं प्रेम है ही नहीं तो भगवान के प्रेम से भला कैसे सराबोर हो सकते है।

चुनावों का शंखनाद और आत्मा का आर्त्तनाद

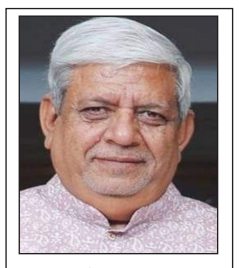

राकेश अचल

शीर्षक पढ़कर चौंकिए मत। आज देश में नए आम चुनावों के लिए शंखनाद होने से पहले ही देश के सबसे ज्यादा आत्ममुग्ध प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी का आत्मीय आर्त्तनाद भी इस देश के लोगों ने सुना। देश के सामने हालाँकि उन्हें अपनी कथित उपलब्धियों के आधार पर सिंघनाद करना चाहिए था लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाये । वे मेघनाद जरूर करते आये है । वे जब-जब गरजे तब-तब देश ने एक नयी मुसीबत का सामना किया। लेकिन ये अतीत की बात है।

देश में आम चुनाव करने के लिए जिम्मेदार केंद्रीय चुनाव आयोग को पहले ही केंचुआ बना चुकी हमारी जाती हुई सरकार ने चुनावों की घोषणा के ठीक एक दिन पहले केंचुआ को दो चुनाव आयुक्त दिए है। इनका चयन करने वाली समिति में सरकार का ही बहुमत था । इस समिति में पहले देश के मुख्य न्यायाधीश भी हुआ करते थे ,किन्तु उनके ऊपर सरकार को यकीन नहीं था इसलिए उन्हें चयन समिति से बाहर कर दिया गया। लोकतंत्र को एकतंत्र में बदलने की ये एक छोटी सी कोशिश है ,लेकिन इसे देश की जनता जब समझे तब है। बहरहाल जब आप ये आलेख पढ़ रहे होंगे तब आपके सामने नयी लोकसभा के चुनावों का विस्तृत कार्यक्रम आ चुका होगा। देश में एक आदर्श आचार संहिता [?] लागू हो चुकी होगी। इस संहिता पर प्रश्न चिन्ह इसलिए लगाया की उसका शीलभंग हमेशा से होता आया है और आगे भी होगा ही।

बहरहाल अब गेंद जनता जिसे सम्मान के साथ जनार्दन भी कहा जाता है के पाले में आ गयी है ,लेकिन खेल के नियम उसके अपने नहीं हैं। खेल तो राजनीतिक दलों के बीच ही खेला जाएगा। वैसे इस खेल के पहले ही जो खेला होना था सो हो गया। जाती हुई सरकार को चलने वाली राजनीतिक पार्टी की आती में इस समय असंवैधानिक घोषित किये जा चुके इलेक्टोरल बांड से नंबर एक में कमाया गया 60 अरब रुपया है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने इस अवैध तरिके से कमाए गए धन को अभी तक जब्त करने का आदेश नहीं दिया है। इस धनबल के बूते कोई भी राजनीतिक दल किसी भी आम चुनाव को उसी तरह जीत सकता है जैसे एक पके आम को चूसा जा सकता है। चुनाव में धनबल,बाहुबल और छलबल चलता है। ये तीनों संयोग से आज की सत्ता के हाथों में अकूत है ,सत्तारूढ़ दल के सामने समूचा विपक्ष विपन्न है ,लेकिन इतना भी विपन्न नहीं की मैदान छोड़कर भाग जाये।

देश की सियासत बहुचर्चित गुजरात मॉडल से होती हुई अब पुतिन मॉडल की और अग्रसर है । इसे देश का कोई कानून फिलहाल नहीं रोक सकता,किन्तु आम जनता के हाथों में अब भी मताधिकार का अमोघ अस्त्र बचा हुआ है । अब ये जनता पर है कि वो देश के मुकुट मणि को खंडित करने वालों को 370 सीटें देकर जिताये या 400 सीटें देकर देश को एक नया मोदी नहीं बल्कि पुतिन दे। ये देश गांधी के रास्ते पर चलने वाला देश है । इस देश में परिवारवाद की जड़ें गहरी हैं ,इन्हीं जड़ों में से अब मोदी परिवार ने जन्म लिया है। इस परिवार के मुखिया वैसे रणछोड़ है। उन्होंने अपने परिवार का त्याग किया। उनकी साधना अब इतनी घनीभूत हो गयी है कि वे उन्हें अपने परिवार में शामिल करने वाले संघ परिवार से भी बड़े हो गए है। वे 1975 की इंदिरा इज इंडिया की तर्ज पर मोदी इज इंडिया बन चुके हैं।

देश की जनता अंधभक्त कही जाती है किन्तु वास्तव में है नहीं। ये वो जनता है जिसने दुर्गा बना दी गयी इंदिरा गाँधी को भारत का पर्याय बनने के भ्रम को तोड़ दिया था। इस जनता से उम्मीद की जा सकती है कि वो भारत का पर्याय बनने के इस दूसरे भ्रम को भी तोड़ सकती है। जनता अगर ऐसा नहीं करती तो उसे आने वाले दिनों में सिवाय छल-प्रपंच के कुछ हासिल होने वाला नहीं है। जनता को देखना और समझना होगा कि आज दुनिया की सबसे बड़ी चन्दाखोर पार्टी की अंटी में जो पैसा है वो जनता की अंटी का है । ये पैसा स्वेच्छाअनुदान नहीं बल्कि चौथ वसूली का पैसा है। ये पैसा दानदाताओं की गर्दन पार ईडी और सीबीआई की तलवार रखकर वसूल किया गया है। जनता के हिस्से में तो दो रुपए का एक टुकड़ा आया है जबकि उसकी जेब से एक दशक में 35 से 40 रुपए अकेले पेट्रोल -डीजल के दाम बढ़कर निकाल लिए गए है।

बहरहाल अब चुनावी शंखनाद के बाद मेघनाद के आर्त्तनाद पर आते है। हमारे इस दशक के हीरो और आज की रामलीला के मेघनाद ने चुनावों की घोषणा से ठीक एक दिन पहले देश की जनता के नाम एक भावुक पत्र लिखकर कहा है कि देश की जनता जीएसटी लागू करने , धारा 370 समाप्त करने , तीन तलाक पर नया कानून, और संसद में महिलाओं के लिए नारी शक्ति बंदन अधिनियम बनाने के साथ ही नये संसद भवन का निर्माण, आतंकवाद और नक्सलवाद पर कठोर प्रहार जैसे अनेक ऐतिहासिक और बड़े फैसले लेने वाली सरकार को दोबारा चुने। इस दशक के पहले और आखरी आर्त्तनाद में कहा गया है कि - विकास और विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ते भारत ने बीते एक दशक में जहां बुनियादी ढांचों का अभूतपूर्व निर्माण देखा, तो वहीं हमें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और राष्ट्रीय धरोहरों के पुनरुत्थान का साक्षी बनने का गौरव भी प्राप्त हुआ। अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपरा को सहेजकर आगे बढ़ते देश पर आज हर देशवासी को गर्व है। निश्चित ही देश ने ये क्षण देखें हैं लेकिन इस देश ने जलता हुआ मणिपुर भी देखा है । सिसकता हुआ जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भी देखा है । पुलिस की गोली से मरते हुए 700 से ज्यादा किसान भी देखे है। धनबल से बनती बिगड़ती सरकारें भी देखीं है। 77 सालों में सबसे ज्यादा हुआ दल-बदल और ऑपरेशन लोट्स भी देखा है। सड़कों पर बिलखती महिला पहलवान भी देखीं हैं। बिना रोजगार के सरकारी खजाने से मुफ्त का अन्न खाने पर मजबूर 80 करोड़ बेबस लोग भी देखे हैं।

कायदे से फैसला इन्हीं दो तस्वीरों के आधार पर किया जाना है। शर्त यही है कि मेरुदंड विहीन केंचुआ इस जाती हुई सरकार की कठपुतली की तरह काम न करे । जनता का काम जनता को करने दिया जाय। केंचुआ देखे कि इस समय टीवी चैनलों पर माँ से लेकर बाबा तक को मजबूत करने के फर्जी गारंटी देने वाले विज्ञापनों को रोका जाना चाहिए या नहीं ? फिलहाल हम देश में नए लोकतान्त्रिक महासमर की घोषणा का तहेदिल से स्वागत करते हैं और सभी पक्षों के प्रति अपनी शुभकामनायें प्रेषित करते हैं। हमारी शुभकामनायें किसी एक दल के लिए नहीं हैं।

चीनी रक्षा बजट : भारत को सतर्क रहना होगा

लक्ष्मी शंकर यादव

भारत व अमेरिका से लगातार चल रहे तनाव के बीच चीन ने एक बार फिर से अपने रक्षा बजट में भारी भरकम बढ़ोतरी की है। चीन ने 7.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वर्श 2024 का रक्षा बजट 1.67 ट्रिलियन युआन अर्थात 232 अरब डॉलर कर दिया है। चीनी रक्षा बजट की यह वृद्धि बीते पांच सालों में सबसे ज्यादा है। चीन ने अपने वित्त मंत्रालय की सालाना रिपोर्ट के आधार पर यह दावा किया है कि वह दुनिया में अमेरिका के बाद रक्षा बजट पर सबसे अधिक खर्च करने वाला दूसरा देश है। चीन की विधायिका की वार्षिक बैठक के उद्घाटन सत्र में 5 मार्च को आधिकारिक रक्षा बजट के आंकड़े की घोषणा की गई। अनेक विदेशी विशेषज्ञों का मानना है कि यह धनराशि सत्तासीन कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य शाखा पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा किए गए खर्च का केवल एक अंश है।

232 अरब डॉलर का चीनी रक्षा बजट भारतीय रु पयों में 19.23 लाख करोड़ रु पए से ज्यादा है। चीन की तुलना में भारत का 2024-25 के लिए घोषित रक्षा बजट 621541 करोड़ रु पए है। इस हिसाब से देखा जाए तो चीन का रक्षा बजट भारत के रक्षा बजट से तीन गुना से भी ज्यादा है। चीन ने वर्ष 2023 में भी अपना रक्षा बजट 7.2 फीसद बढ़ाया था। इससे चीन का रक्षा बजट बढ़कर 1550 अरब युआन अर्थात 225 अरब डॉलर तक हो गया था। इससे पहले वर्ष 2022 में चीन ने अपना रक्षा बजट 7.1 फीसद बढ़ाया था।

तब यह 1450 अरब युआन था। कुल मिलाकर तथ्य यह है कि चीन अपने रक्षा बजट में पिछले नौ वर्षो से लगातार इजाफा कर रहा है। दरअसल, चीन की योजना यह है कि वह अपनी सेना को विश्व की नम्बर एक सेना बना दे। चीन ने अपना रक्षा बजट ऐसे समय बढ़ाया है जब उसकी अर्थव्यवस्था काफी बुरे दौर से गुजर रही है। चीन इससे पहले भी आर्थिक संकट से घिरा हुआ था, लेकिन इस बार मामला ज्यादा गंभीर दिखाई दे रहा है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक परेशानी वाले काल से गुजर रहे हैं। चीन की तेज आार्थिक ग्रोथ में लंबे समय तक वहां की प्रॉपर्टी सेक्टर की विषेश भूमिका रही है, लेकिन इधर काफी समय से प्रॉपर्टी सेक्टर की कुछ कंपनियां दिवालिया हो गई हैं और सरकार इन्हें उबारने के मूड में नहीं है।

दूसरी तरफ साल 2024 के लिए चीन का रक्षा बजट पिछले कई वर्षो में सबसे ज्यादा है। ऐसे में चीन के द्वारा की गई रक्षा बजट की बढ़ोतरी उसके सैन्य इरादों को स्पष्ट करती है। जिनपिंग ने अपनी सेना को वर्ष 2027 तक विस्तरीय सेना बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अलावा यह भी लक्ष्य निर्धारित है कि चीनी सेना को वर्ष 2035 तक पूरी तरह से अत्याधुनिक बना दिया जाए। इसी वजह से चीन अपना रक्षा बजट लगातार बढ़ा रहा है। दरअसल, राष्ट्रपति जिनपिंग यह नहीं चाहते कि उनके सैनिकों को युद्ध लड़ने में अधिक मेहनत करनी पड़े। इसीलिए चीन अत्याधुनिक हथियार, मजबूत थियेटर कमांड, स्टील्थ तकनीक व लड़ाकू तकनीक के क्षेत्र में अधिक पैसा लगा रहा है। इनके विकास के बाद युद्ध में विजय दिलाने का काम लड़ाकू जेट विमान, ऑटोनॉमस हथियार व अत्याधुनिक मिसाइलें कर देंगे। हाल के वर्षो में चीन ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने के लिए कई बड़े सैन्य सुधार किए हैं। इन सुधारों के तहत उसने दूसरों देशों में अपने प्रभाव का विस्तार करने के लिए नौसेना और वायुसेना को प्राथमिकता देते हुए उनका विस्तार किया। अब चीन नई रोबोट आर्मी तैयार कर चुका है और इसकी तैनाती भी भारतीय सीमा के नजदीक करनी शुरू कर दी है। चीन अपनी इसी रक्षा नीति पर चलते हुए अमेरिका को पीछे छोड़ता हुआ दुनिया की सबसे बड़ी नौसैन्य ताकत बन रहा है। विगत दो तीन वर्षो में चीनी नौसेना में जितने युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल की गई हैं उतने शायद अमेरिका की नौसेना में न हों। इतने हथियारों की बढ़ोतरी के बाद भी उसकी भूख कम नहीं हुई है। चीन की रक्षा ताकत बढ़ाने वाली यह नीति आने वाले समय में विश्व को नए युद्ध में धकेलने में देर नहीं लगाएगी।

इन योजनाओं के पीछे कारण यही है कि चीन का अमेरिका, ताइवान, जापान व भारत के साथ जारी तनाव और हिन्द महासागर व दक्षिण चीन सागर में मिलने वाली चुनौतियों से निपटने में उसका सैन्य पक्ष कमजोर न पड़े। चीन के नीति नियंताओं के मुताबिक सेना को अत्याधुनिक बनाये जाने के फोकस को देखते हुए रक्षा बजट बढ़ाया गया है। चीन अपना दबदबा बढ़ाने के लिए नौसेना की पहुंच को समुद्री क्षेत्रों में फैला रहा है। इस साल के रक्षा बजट का मुख्य जोर नौसेना के विकास पर रहेगा क्योंकि दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर पर उसके दावे तथा समुद्री आवागमन के लिहाज से इस क्षेत्र में तनाव बढ़ा हुआ है। इसके अलावा एशिया प्रशांत क्षेत्र में अस्थिर सुरक्षा स्थिति को देखते हुए उसको जवाब के तौर पर तैयार होना है। इस तरह यह स्पष्ट हो जाता है कि चीन सैन्य क्षेत्र में दुनिया के शक्तिशाली देशों की तुलना में सबसे ऊपर रहना चाहता है। ऐसी स्थिति में भारत को चीन की रक्षा बढ़ोतरी से सजग रहने की आवश्यकता होगी।

मशहूर यूट्यूबर एल्विश गिरफ्तार, नोएडा पुलिस ने सांपों के जहर की तस्करी मामले में की कार्रवाई

नोएडा। मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव के संबंध में बड़ी खबर आ रही है कि उसे नोएडा पुलिस ने कोबरा कांड मामले में गिरफ्तार कर लिया है। सांपों के जहर की तस्करी मामले में पुलिस लगातार एल्विश से पूछताछ कर रही है। गौरतलब है कि बीते दिनों नोएडा पुलिस ने सांपों के जहर के साथ 5 संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ किया था। ऐसे में एक बार फिर एल्विश मुश्किलों में घिरते नजर आ रहे हैं। सांपों के जहर की तस्करी मामले में नोएडा पुलिस ने कारवाई करते हुए एल्विश को गिरफ्तार किया है। यहां बतलाते चलें कि मशहूर यूट्यूबर एल्विश पर पार्टी में सांपों के जहर के इस्तेमाल करने का गंभीर आरोप लगा है। 8 नवंबर को नोएडा पुलिस ने रेव पार्टी में सांप के जहर का इस्तेमाल किए जाने संबंधी मामले में एफआईआर की थी। इसमें यूट्यूबर एल्विश को भी आरोपी बनाया गया है। तब पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ की थी। गिरफ्तार किए गए लोगों में राहुल, टीटूनाथ, जयकरन, नारायण और रविनाथ के नाम शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक राहुल नाम के आरोपी से 20एमएल जहर जब्त किया गया था। इस पूरे मामले में एल्विश ने सफाई देते हुए कहा था कि उनके खिलाफ फेक मामले चल रहे हैं और उनका इन सब से कोई लेना देना नहीं है। तब एल्विश ने इस मामले में पुलिस का पूरा सहयोग करने की भी बात कही थी। अब खबर यह है कि एल्विश को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी अनुसार एल्विश को आज 17 मार्च रविवार के दिन नोएडा के सेक्टर-49 से गिरफ्तार किया गया है।

गुजरात यूनिवर्सिटी में अफगानी छात्रों से मारपीट, हॉस्टल में नमाज पढ़ने पर हुआ विवाद

अहमदाबाद। अहमदाबाद की गुजरात यूनिवर्सिटी में देर रात हॉस्टल में रहने वाले अफगानी और अन्य छात्रों पर भीड़ ने हमला कर दिया। गमछा पहने और जयश्रीराम का नारा लगाती भीड़ हॉस्टल में घुसी और छात्रों को पीटा। हॉस्टल में पथराव और तोडफ़ोड़ भी की गई। इसमें 5 लोगों के घायल होने की खबर है। पिटाई का मामला यूनिवर्सिटी हॉस्टल के ए ब्लॉक में 16 मार्च की रात का है। अफगानी छात्रों ने आरोप लगाया कि रमजान की रात वे ए ब्लॉक में तरावीह (नमाज) पढ़ रहे थे। इस दौरान बी ब्लॉक से आए तीन छात्रों ने आकर इसका विरोध किया। उन्होंने बताया कि उनके जाने के बाद करीब 200 लोगों की भीड़ पहुंच गई और जय श्रीराम का नारा लगाते हुए हमला शुरू कर दिया। इनमें से कुछ ने हॉस्टल के कमरों में पथराव किया। कुछ हॉस्टल में घुस आए और लैपटॉप, एसी, अलमारी, टेबल, दरवाजे, म्यूजिक सिस्टम तोड़ दीं। बाहर खड़े टू-व्हीलर्स में भी तोडफ़ोड़ की गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने घटना के बाद पुलिस और यूनिवर्सिटी के अधिकारियों की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। इससे पहले उन्होंने डीजी और सीपी को तुरंत कार्रवाई करने के आदेश दिए। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

कांकेर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में आठ लाख का इनामी नक्सली ढेर

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान जवानों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक इनामी नक्सली ढेर हो गया। मुठभेड़ में मारे गए नक्सली पर आठ लाख का इनाम घोषित है। नक्सली के शव की पहचान नव?सली कमांडर मनकेर के रूप में हुई है। इसके अलावा मौके से एलएमजी रायफल के साथ ग्रेनेड व विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि सर्चिंग के दौरान नक्सलियों से जवानों का आमना-सामना हो गया। लगातार दो घंटे चली मुठभेड़ के बाद जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली भाग निकले। इसके बाद जवानों को मुठभेड़स्थल से वर्दीधारी नक्सली का शव मिला।

कांकेर में जवानों से मुठभेड़ में नक्सली ढेर

इधर, बीजापुर जिले में थाना बेदरे क्षेत्रान्तर्गत हिंगमेंटा-लंका के जंगलों में पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में मारे गए दो नक्सलियों की शिनाख्त हो गई है। सुरेश मुहंदा निवासी हिंगमेंटा 10 वर्षों से सक्रिय था। सन्नु मुहंदा हिंगमेटा बाल संघम के रूप में भर्ती होकर पांच वर्षों से संगठन में सक्रिय था। वर्तमान में संगठन में मिलिशिया सदस्य के रूप में तैनात था।

मुस्लिम संगठनों की चुनाव आयोग से मांग, जुमे के दिन नहीं हो मतदान, तारीख बदलने की मांग की

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा चुनावों की तारीख की घोषणा कर दी गई। कुल सात चरणों में चुनाव होने हैं। चुनाव की एक तारीख 26 अप्रैल भी है, जो कि शुक्रवार है। यह देखकर मुस्लिम संगठनों ने चुनाव आयोग से तारीख बदलने की मांग की है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और केरल के एक मुस्लिम संगठन ने मुस्लिम समुदाय के लिए जुमे की महत्व का हवाला देकर 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव को स्थगित करने की अपील की है। आईयूएमएल के प्रदेश महासचिव पीएमए सलाम ने कहा कि केरल में शुक्रवार यानी 26 अप्रैल को चुनाव कराने से मतदाताओं, चुनाव अधिकारियों और मतदान एजेंटों को असुविधा होगी। उन्होंने कहा, शुक्रवार को जुमा है। इस दिन मुसलमान मस्जिदों में इकट्ठा होते हैं। इस दिन केरल और तमिलनाडु में मतदान करना मुश्किल होगा। आईयूएमएल के अलावा, केरल के प्रमुख मुस्लिम संगठन समस्त केरल जमीयथुल उलमा ने चिंता व्यक्त की कि शुक्रवार के चुनाव मतदाताओं और ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों के लिए चुनौतियां पैदा करेंगे और मतदान प्रतिशत को प्रभावित कर सकते हैं।

गुजरात में 18 पाकिस्तानियों को मिली भारतीय नागरिकता

अहमदाबाद। गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने 18 पाकिस्तानियों को नागरिकता प्रदान की है। अहमदाबाद जिला कलेक्टर के कार्यालय में उन पाकिस्तानी नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की, जो अहमदाबाद में आकर बस गए थे। इसके साथ ही गुजरात में रह रहे 1,167 शरणार्थी हिंदुओं को अब तक अहमदाबाद जिला कलेक्टरेट द्वारा नागरिकता प्रदान की जा चुकी है। बता दें कि इन पाकिस्तानी शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करने का नए लागू नागरिकता संशोधन कानून से संबंध नहीं। इस बारे में जारी आधिकारिक रिलीज के मुताबिक, वर्ष 2016 और 2018 के गजट नोटिफिकेशंस के आधार पर इन्हें नागरिकता प्रदान की गई है। ये दोनों नोटिफिकेशंस राज्य में अहमदाबाद, गांधीनगर और कच्छ के जिला कलेक्टर को पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों को भारतीय नागरिकता देने का अधिकार देती हैं। इन दोनों नोटिफिकेशन ने अहमदाबाद, गांधीनगर और कच्छ के जिला कलेक्टरों को अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाइयों के अल्पसंख्यक समुदायों के व्यक्तियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का अधिकार दिया है। बाद में, आनंद और मेहसाणा जिलों के कलेक्टरों को भी इस सूची में जोड़ा गया। वहीं कैंप में सांघवी ने शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्रदान की और उनसे नए भारत के सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'आज का दिन आपके जीवन का एक महत्वपूर्ण दिन है। आज से आप इस महान देश भारत के नागरिक हैं। सांघवी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार भारतीय नागरिकता प्राप्त करने वाले सभी लोगों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के पीड़ित अल्पसंख्यकों को आसानी से और जल्दी भारतीय नागरिकता दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए हैं।

चुनौतियां चीरने में कामयाब हुए तो कई तरह के रिकॉर्ड बना लेंगे पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश ही नहीं पूरी दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपनी लोकप्रियता का गुणगान भाजपा करती है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि उनके सामने चुनौतियां नहीं हैं। जब चुनावी संग्राम होता है तो प्रतिद्वंदि भी होता है और दांव पेंच भी होते है। इसके बाद भी जो जनता का दिल जीतने में सफल हो जाता है सत्ता उसी की हो जाती है। पीएम मोदी बीते एक दशक से प्रधानमंत्री की पद पर है। मोदी सरकार ने देश के विकास के ढांचे को मजबूत करने का प्रयास किया था। अब पीएम मोदी का कहना है कि तीसरे कार्यकाल में वह देश को 2024 तक विकसित बनाने के लिए काम करेंगे। यह चुनाव सिर्फ देश के लिए अगली सरकार बनाने वाला नहीं होगा बल्कि पीएम नरेंद्र मोदी यदि फिर से सत्ता में लौटे तो वह देश में सबसे ज्यादा लंबे समय तक शासन में रहने वाले प्रधानमंत्री होंगे। उनसे पहले सिर्फ जवाहरलाल नेहरू ही लगातार तीन कार्यकाल तक पीएम रहे थे। लेकिन कई मायनों में उनकी यह सफलता जवाहरलाल नेहरू से भी बड़ी होगी। इसके तीन कारण हैं- जवाहरलाल नेहरू एक एलीट बैकग्राउंड के नेता था। उनके पिता मोतीलाल नेहरू अपने दौर के देश के सबसे नामी वकीलों में से एक थे और कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे थे। उन्हें महात्मा गांधी का भी भरोसा हासिल था। तीसरी और सबसे अहम बात यह है कि आजादी के बाद करीब दो दशकों तक कांग्रेस की ही देश में धाक रही थी। इसकी वजह यह थी कि लोग उसे आजादी के आंदोलन का पर्याय मानते थे। नरेंद्र मोदी के साथ ऐसी कोई विरासत नहीं थी। उनका कोई मौजूदा गॉडफादर भी था, जिसने उन्हें पीएम बनाने के लिए समर्थन किया हो, जैसे महात्मा गांधी ने नेहरू का किया था। एक गरीब परिवार में जन्मे पीएम नरेंद्र मोदी ने दशकों तक संघर्ष किया था। उनकी पार्टी की विचारधारा को लंबे समय तक मुख्यधारा की राजनीति में जगह नहीं मिल सकी थी। ऐसे में 2014 के बाद से पीएम मोदी ने जिस तरह पूर्ण बहुमत की सरकार लगातार दो बार बनाई है, वह उन्हें अलग लीग में खड़ा करती है। तीसरे कार्यकाल में भी उनकी संभावनाएं मजबूत लग रही हैं। वह भाजपा के लिए भी स्वर्णिम काल सरीखा है। इस बार तो पीएम मोदी लगातार एनडीए के 400 पार पहुंचने का नारा दे रहे हैं।

मैसेजिंग' मंच और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स का सहारा ले रही राजनैतिक पार्टियां

2019 में भाजपा ने 325 और कांग्रेस ने 356 करोड़ रुपये खर्च किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में दुनिया के सबसे बड़े चुनावी उत्सव की तैयारियां शुरू होने के साथ ही पार्टियां मतदाताओं के मनोविज्ञान पर असर डालने के लिए व्हाट्एप जैसे 'मैसेजिंग' मंच और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स का सहारा ले रही हैं। राजनीतिक दल 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने तथा मतदाताओं से समर्थन मांगने के लिए व्यापक पैमाने पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) व्हाट्सएप पर ''प्रधानमंत्री की ओर से पत्र' भेजकर मतदाताओं से जुड़ने का प्रयास कर रही है और मोदी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मतदाताओं से 'फीडबैक' ले रही है। व्हाट्सएप के भारत में हर महीने 50 करोड़ से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ता होते हैं। इतना ही नहीं भाजपा ने 'माय फर्स्ट वोट फॉर मोदी' वेबसाइट शुरू की है जिसमें मतदाता मोदी के लिए वोट करने का संकल्प ले सकते हैं और अपनी पसंद की वजह बताकर एक वीडियो अपलोड कर सकते हैं।

वेबसाइट पर मोदी सरकार में किए गए विकास कार्यों को दिखाते कई लघु वीडियो भी हैं। वहीं, कांग्रेस 'राहुल गांधी व्हाट्सएप समूह' चलाती है जिसमें राहुल लोगों से संवाद करते हैं और उनके सवालों का जवाब देते हैं। व्हाट्सएप पर सूचनाओं के प्रसार की निगरानी जिला स्तर पर की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह जनता तक पहुंचे और पार्टी के मतदाता आधार को मजबूत करे। चुनावी विश्लेषक और समीक्षक ने कहा, ''जिस भी राजनीतिक दल के अधिक व्हाट्सएप समूह हैं, वह मतदाताओं से तेजी से और बेहतर तरीके से संवाद कर सकता है। इससे उन्हें तेजी से अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने और मतदाताओं को प्रभावित करने में मदद मिलती है।''

एक समय सोशल मीडिया पर प्रचार के लिए सबसे पसंदीदा मंच रहा फेसबुक अब राजनीतिक पेज पर विज्ञापनों संबंधी कई पाबंदियों के कारण राजनीतिक दलों को पसंद नहीं रहा है। उन्होंने कहा, ''पार्टियां उस सोशल मीडिया मंच को चुनती है जो उन्हें बगैर ज्यादा पाबंदियों के और बड़े उपयोगकर्ता आधार के साथ तेजी से जनता से जोड़ने में मदद करते हैं। इंस्टाग्राम और ट्विटर (अब एक्स) जैसे कई अन्य मंच हैं जो जनता के एक खास वर्ग की आवश्यकताओं को पूरी करते हैं और उनके अलग-अलग प्रारूप हैं।''

आयोग के आंकड़ों के अनुसार, भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान मीडिया विज्ञापनों (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक, 'बल्क' एसएमएस, केबल वेबसाइट, टीवी चैनल आदि) पर 325 करोड़ रुपये खर्च किए थे, जबकि कांग्रेस ने 356 करोड़ रुपये खर्च किए।

सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स एक और महत्वपूर्ण माध्यम बन गए हैं जिनके जरिए पार्टियां उन लोगों का प्रभावित करने की कोशिश करती हैं जो वोट नहीं करते लेकिन धारणा बनाने में भूमिका निभाते हैं। पिछले कुछ महीनों में कई नेता युवा दर्शकों से जुड़ने के लिए मशहूर सोशल मीडिया 'इन्फ्लूएंसर्स' (सोशल मीडिया पर लोगों पर प्रभाव डालने वाले लोग) के यूट्यूब चैनलों पर दिखाई दिए हैं। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, केंद्रीय पीयूष गोयल और राजीव चंद्रशेखर जैसे भाजपा नेताओं ने साक्षात्कार दिए हैं, जिनके यूट्यूब पर 70 लाख से अधिक फॉलोअर हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी यात्रा और भोजन के वीडियो पॉडकास्ट 'कर्ली टेल्स' की संस्थापक कामिया जानी से भोजन पर बातचीत की थी।

चुनावी नतीजों पर सोशल मीडिया प्रचार की महत्ता बताकर जानकार ने कहा, ''औसतन दो लाख की आबादी वाले किसी विधानसभा क्षेत्र में 40 फीसदी तक इंटरनेट पहुंच के साथ डिजिटल माध्यमों के जरिए 75,000 से 80,000 लोगों को प्रभावित करना संभव है। किसी भी विधानसभा चुनाव में 5,000 वोटों का अंतर भी किसी भी जीत-हार का अच्छा अंतर होता है। इस बीच, राजनीतिक दलों द्वारा सोशल मीडिया पर प्रचार को विनियमित करने की आवश्यकता पर जोर देकर पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एसवाई कुरैशी ने कहा कि निर्वाचन आयोग को प्रौद्योगिकी कंपनियों से चुनावी निकाय के नियमों का उल्लंघन करने वाले पोस्ट हटाने के लिए उनके तंत्र को मजबूत करने पर बात करनी चाहिए।

एनडीए व इंडिया अलायंस में सीट बंटवारे को लेकर नाराजगी बरकरार

पटना (एजेंसी)। बिहार में अभी तक एनडीए और इंडिया अलायंस में सीट बंटवारे की घोषणा नहीं हो पाई है। दोनों ओर खींचतान के हालात हैं। एनडीए में अभी 6 दल शामिल हैं तो इंडी अलायंस में 5 दल हैं। पशुपति पारस के नेतृत्व वाली आरएलजेपी और उपेंद्र कुशवाहा का राष्ट्रीय लोक मोर्चा अभी तो हैं लेकिन सीटें मन माफिक नहीं मिलने की आशंका से दोनों की नाराजगी बनी हुई है।

माना जा रहा है कि बात नहीं बन पाने की स्थिति में दोनों बिहार में आरजेडी के नेतृत्व वाले इंडिया अलायंस में शामिल हो सकते हैं। शायद यही वजह है कि इंडी अलायंस ने भी अपने साथी दलों के बीच सीटों का बंटवारा रोक रखा है। एनडीए ने सभी साथी दलों से बातचीत कर यह तो संकेत दे ही दिया है कि किसे कितनी सीटें दी जा सकती हैं। कम सीटों के अंदेशे से एनडीए के साथ अब तक रहे आरएलजेपी, आरएलएम और हम के नेता परेशान हैं। आरएलजेपी के अध्यक्ष पशुपति पारस ने तो साफ कह दिया है कि वे सीटों के ऐलान का इंतजार कर रहे हैं। अगर एनडीए ने उन्हें सम्मानजनक सीटें नहीं दी तो वे नए रास्ते तलाशने के लिए स्वतंत्र होंगे। आरएलएम के उपेंद्र कुशवाहा कुछ बोल तो नहीं रहे लेकिन उनके मन में भी नाराजगी है। हम के नेता जीतन राम मांझी को संतुष्ट करने की भाजपा ने पूरी कोशिश की है। उनके बेटे संतोष सुमन को भाजपा ने एमएलसी-मंत्री बना कर उन्हें बिहार में 3 महत्वपूर्ण विभाग देकर संभालने की पूरी कोशिश की है। लेकिन बारगेनिंग के लिए वे कब किस बात पर बिदक जाएं कहना मुश्किल है। इंडी अलायंस में अभी आरजेडी, कांग्रेस के अलावा तीन वामपंथी दल शामिल हैं। उसे उम्मीद है कि पशुपति पारस भी उसके समूह में आ सकते हैं।

जल संकट- नहाना तो दूर खाना बनाने तक के लिए नहीं मिल रहा पानी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में इस बार पानी का घोर संकट है। यहां तमाम तरह के प्रतिबंध लगाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं निकल रहा है। लोगों को नहाने के लिए पानी मिलना तो दूर की बात है खाना बनाने तक के लिए पानी नहीं है। उन्हे बाहर से ऑर्डर करके खाना मंगाना पड़ रहा है। दो से तीन दिनों में नहाना और रेस्तरां से खाना ऑर्डर करना आम बात हो गई है। यहां तक कि ऊंचे अपार्टमेंट में रहने वाले लोग भी पानी के टैंकरों पर निर्भर हैं। पानी की कमी बेंगलुरु में एक गंभीर समस्या बन गई है, जिसका असर अब रेस्तरां और एजुकेशनल इंस्टीट्यूट पर भी पड़ रहा है। रेस्तरां पानी के अधिक उपयोग से बचने के लिए डिस्पोजेबल कप, गिलास और प्लेटों का उपयोग करने पर विचार कर रहे हैं। एजुकेशनल इंस्टीट्यूट भी पानी की कमी से परेशान हैं।

हाल ही में, शहर के एक कोचिंग सेंटर ने अपने छात्रों को एक सप्ताह के लिए 'इमरजेंसी' के कारण क्लासेस ऑनलाइन लेने को कहा। इसी तरह, बन्नेरघट्टा रोड पर एक स्कूल भी बंद कर दिया गया, और स्टूडेंट्स को कोविड के समय की तरह की ऑनलाइन क्लास लेने को कहा गया। यह स्पष्ट है कि पानी की कमी बेंगलुरु के लिए एक गंभीर खतरा बन गई है। इस संकट से निपटने के लिए, शहर के लोग पानी बचाने के लिए नए तरीके अपना रहे हैं। केआर पुरम की निवासी सुजाता ने कहा, ÷गर्मी बढ़ने के साथ, रोजाना नहाए बगैर नहीं रहा जाता, लेकिन उनके पास एक दिन छोड़कर एक दिन नहाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लोग पानी की कमी से इतने परेशान हैं कि कुछ लोगों को नहाने या टॉयलेट का उपयोग करने के लिए मॉल जाना पड़ रहा है। सिंगसंद्रा में रहने वाली एक आईटी प्रोफेशनल लक्ष्मी वी ने कहा कि वह अपनी कंपनी से ऑप्शन की अनुमति देने का अनुरोध कर रही हैं ताकि वह और उसका परिवार स्थिति बेहतर होने तक कुछ समय के लिए तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली रहने को जा सके। बेंगलुरु मुख्य रूप से कावेरी नदी के पानी और ग्राउंड वॉटर पर निर्भर है। सीवेज उपचार प्लांट से रीसाइकल्ड पानी का उपयोग पीने के अलावा कई चीजों के लिए किया जाता है। बारिश की कमी के कारण मुख्य जलस्रोतों पर दबाव ज्यादा है। बेंगलुरु को प्रतिदिन 2,600-2,800 मिलियन लीटर पानी की जरूरत होती है, लेकिन वर्तमान में इसका केवल आधा ही उपलब्ध है।

ईडी ने कविता को बताया दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले की मुख्य साजिशकर्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को राउज एवेन्यू अदालत ने 23 मार्च तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया है। अदालत के समक्ष पेश ईडी की अर्जी में कहा गया, के कविता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री व तत्कालीन उत्पाद शुल्क मंत्री मनीष सिसौदिया के साथ सौदा किया, जिसमें उन्होंने साउथ ग्रुप के अन्य सदस्यों के साथ बिचौलियों के जरिए उन्हें रिश्वत का भुगतान किया। आप के नेताओं को दी गई रिश्वत के बदले में उन्हें नीति बनाने में शामिल किया गया। ईडी ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें अपने डमी अरुण पिल्लई के जरिए पेरनोड रिकार्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नामक फर्म और वितरण व्यवसाय में पर्याप्त निवेश के बिना इंडो स्पिरिट्स की साझेदारी में हिस्सेदारी मिली, जो देश के सबसे बड़े शराब निर्माताओं में से एक है।

इस तरह दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 की अवधि में इंडो स्पिरिट्स को सबसे ज्यादा मुनाफा हुआ।आवेदन में दावा किया गया है, नीति में थोक व्यापारी का लाभ मार्जिन बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया गया, ताकि इस मार्जिन में से इसका एक हिस्सा रिश्वत के रूप में वापस लिया जा सके। ऐसा अवैध धन का प्रवाह लागातार बनाए रखने के लिए किया गया था। ईडी ने दावा किया कि कविता और अन्य ने आप के शीर्ष नेताओं को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी, जो कि पीएमएलए की धारा 50 के तहत दर्ज श्रीनिवासुलु रेड्डी के 14 जुलाई 2023 को दर्ज बयान और 17 जुलाई 2023 को सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दर्ज उनके बयान से स्पष्ट है। अदालत में सौंपे गए बयान के अनुसार, श्रीनिवासुलु रेड्डी ने कहा कि मार्च 2021 में उन्होंने दिल्ली के एक अखबार में पढ़ा कि सरकार शराब व्यापार का निजीकरण कर रही है। चूंकि वह पिछले 71 वर्षों से दक्षिण भारत में शराब के कारोबार से जुड़े हैं, उन्होंने दिल्ली में अपने करोबार के विस्तार पर विचार किया और सीएम केजरीवाल से मिलने की मांग की थी।वह अगले दिन मिले। उन्होंने उन्हें बताया कि केजरीवाल ने उनसे बात की थी।बयान में कहा गया है, कविता ने उनसे कहा कि उनके सीए बुची बाबू इस समन्वय के लिए उनसे और उनके बेटे राघव मगुंटा से मिलने आएंगे। बुची बाबू अगले दिन उनसे मिलने गए और राघव मगुंटा ने उनसे कहा कि वह 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था कर सकते हैं और आखिरकार 25 करोड़ रुपये नकद में दिए गए

कविता की गिरफ्तारी को चुनावी स्टंट बताया

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को दिल्ली शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा बीआरएस एमएलसी के कविता की गिरफ्तारी को चुनावी स्टंट बताया। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से एक दिन पहले कविता की गिरफ्तारी भाजपा द्वारा खुद को भ्रष्टाचार के खिलाफ चैंपियन के रूप में प्रदर्शित करने और साथ ही अपने सहयोगी बीआरएस के लिए कुछ सहानुभूति हासिल करने का एक प्रयास था। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस और भाजपा दोनों कांग्रेस की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए सस्ती राजनीतिक

रणनीति का सहारा ले रहे हैं, क्योंकि सर्वेक्षणों का अनुमान है कि कांग्रेस तेलंगाना में 17 लोकसभा सीटों में से 12 सीटें जीतेगी।रेवंत रेड्डी ने कविता की गिरफ्तारी पर बीआरएस अध्यक्ष और कविता के पिता के।चंद्रशेखर राव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों की चुप्पी पर भी सवाल उठाया।उन्होंने पूछा, 'केसीआर ने गिरफ्तारी की निंदा नहीं की है, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने इसे उचित नहीं ठहराया है।

राहुल गांधी को राहत, मानहानि मामले में सुनवाई दो मई तक स्थगित

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में एक मजिस्ट्रेट अदालत ने कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई दो मई तक के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी के वकील ने इसकी जानकारी दी। राहुल गांधी के वकील नारायण अय्यर ने कहा कि उन्होंने इस आधार पर स्थगन का अनुरोध करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया कि मामले के संबंध में वायनाड सांसद द्वारा बंबई उच्च न्यायालय में दायर एक रिट याचिका लंबित है। दरअसल छह मार्च 2014 को भिवंडी के पास चुनावी रैली में कांग्रेस नेता के उस कथित बयान पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थानीय सदस्य राजेश कुंटे ने आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया है, जिसमें राहुल गांधी ने कहा था, आरएसएस के लोगों ने (महात्मा) गांधी की हत्या की। वहीं सुनवाई के दौरान कुंटे के वकील प्रबोध जयवंत ने राहुल गांधी के आवेदन का विरोध किया। उन्होंने कहा कि अदालत ने पूर्व में स्थगन का अनुरोध करने पर शिकायतकर्ता के खिलाफ जुर्माना लगाया था और यही नियम आरोपी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर भी लागू किया जाना चाहिए।

केजरीवाल के लिए चुनौती- चुनावी संग्राम में सीटें भी जीतना है और चेहरा भी बचाना है

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने जिस कांग्रेस सरकार के खिलाफ आंदोलन कर राजनीति की सीढ़ियां चढ़ी, आज उसी कांग्रेस के साथ चार राज्यों में गठबंधन कर आप लोकसभा चुनाव लड़ रही है। इन सबके बीच अरविंद केजरीवाल की चुनौती अपनी ईमानदार छवि को बरकरार रखने की है। जिस भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़कर वह राजनीति में आए, आज खुद वह उन्हीं आरोपों में घिरे हैं। उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में करीब एक वर्ष से जेल में है। कहा जा सकता है कि अब आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अपने सियासी चढ़ाव पर हैं। उन्होंने बीते 12 वर्षों में बगैर किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि या परिवार के नई पार्टी आप को राष्ट्रीय पटल पर लाकर खड़ा कर दिया है।

संगठन मजबूत करने से लेकर प्रचार और इंडिया गठबंधन के साथ चलना भी उनके सामने एक बड़ी चुनौती है। यह लोकसभा चुनाव उनके लिए सिर्फ राजनीतिक लड़ाई नहीं है बल्कि जीत के साथ जनता के बीच अपनी छवि को सही साबित करने की चुनौती है। दिल्ली में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। केजरीवाल लगातार तीन बार 2013, 2015 फिर 2020 में प्रचंड बहुमत लाकर दिल्ली के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज हैं। केजरीवाल ने 2 अक्तूबर 2012 को राजनीतिक दल बनाने की घोषणा की थी। नवंबर 2012 में आम आदमी पार्टी के नाम से दल की घोषणा की। 2013 में कांग्रेस के समर्थन से दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। हालांकि 49 दिन में यह सरकार गिर गई। वर्ष 2015 में दिल्ली में 70 में से 67 सीट जीतकर सरकार बनाई। 2020 में 62 सीट जीतकर दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। 2022 में पंजाब में 92 सीट जीतकर आप की सरकार बनी। गुजरात में पार्टी ने पांच विधानसभा और गोवा में 2 विधानसभा सीट पर जीत हासिल की। 2023 में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला।

डब्ल्यूपीएल 2024 : पहली बार फाइनल में पहुंची आरसीबी, मुंबई को 5 रनों से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में महिला प्रीमियर लीग के तहत खेले गए एलिमिनेटर मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इतिहास रचते हुए मुंबई इंडियंस को 5 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। आरसीबी पहली बार महिला प्रीमियर लीग का फाइनल खेलेगी। मुकाबले की बात करें तो आरसीबी ने पहले खेलते हुए एलिसा पेरी के 66 रनों की बदौलत 135 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी मुंबई की शुरूआत सधी हुई रही। मध्यक्रम में नेट ब्रंट ने 23 कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 30 तो अमेलिया केर ने 27 रन बनाए लेकिन आखिरी ओवरों में गिरी विकेट के कारण वह जीत हासिल करने से चूक गईं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु महिला : 135/6 (20 ओवर)

आरसीबी की कप्तान स्मृति ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी लेकिन वह प्रदर्शन नहीं कर पाई। स्मृति मंधाना 10 तो सोफिया डिवाइन 10 रन बनाकर आऊट हो गई। दिशा 0 तो ऋषा घोष जब 14 रन बनाकर आऊट हो गई तो एलिसा पेरी ने एक छोर संभाल लिया और शॉट लगाने जारी रखे। उन्होंने 50 गेंदों पर 8 चौके और एक छक्के की मदद से 66 रन बनाए। बेंगलुरु की ओर से निचले क्रम में सोफिया ने 11 तो जॉर्जिया ने 10 गेंदों पर 18 रन बनाकर स्कोर 135 तक पहुंचाया।

मुंबई की ओर से गेंदबाजी करते हुए हेले मैथ्यूज ने 18 रन देकर 2, नेट ब्रंट ने 18 रन देकर 2 तो सैका ने 27 रन देकर 2 विकेट लीं।

मुंबई इंडियंस महिला : 130/6 (20 ओवर)

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई ने सधी हुई शुरूआत की। ओपनर यस्तिका भाटिया ने 27 गेंदों पर 19 तो हेले मैथ्यूज ने 14 गेंदों पर 15 रन बनाए। नेट ब्रंट ने 17 गेंदों पर 23 तो कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाया। लेकिन आखिरी ओवरों में मुंबई ने साजना 1, पूजा 4 के जल्दी ही विकेट गंवा लिए। बढ़ती नेट रन रेट के अगे अमेलिया केर भी असहाय नजर आई। उन्होंने 25 गेंदों पर 27 रन जरूर बनाए लेकिन टीम जीत नहीं पाई। बेंगलुरु की ओर से श्रेयांका पटेल ने 16 रन देकर 2 तो एलिसे पेरी, सोफिया, जार्जिया और आशा ने 1-1 विकेट लीं।

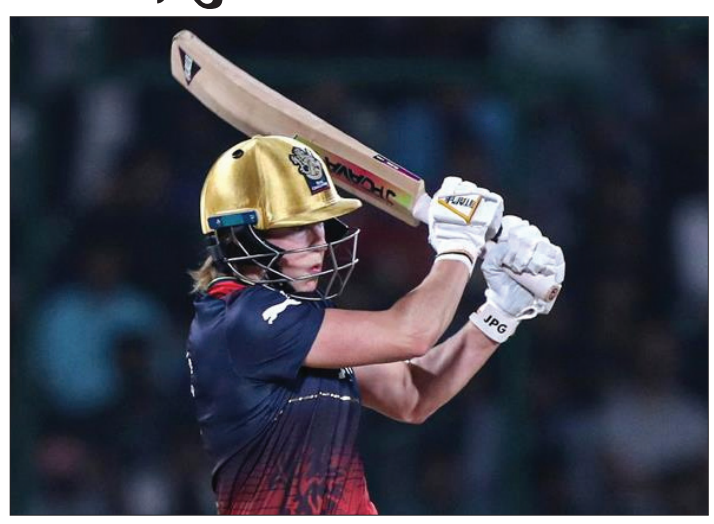

लोकसभा चुनाव के चलते दुबई में ट्रांसफर हो सकता है आईपीएल, इस फैसले ने दिया ईशारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन को भारत में अप्रैल और मई के महीनों में होने वाले भारतीय आम चुनावों के कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में ट्रांसफर किया जा सकता है। वैसे भी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अभी तक टूर्नामेंट के पहले 21 मैचों का शेड्यूल ही घोषित किया है। बताया जा रहा है कि अभी बीसीसीआई अधिकारी आईपीएल 2024 के दूसरे भाग को यूएई में स्थानांतरित करने की संभावना तलाशने के लिए दुबई में हैं।

रिपोर्ट सामने आ रही है कि आईपीएल टीमों ने खिलाड़ियों को अपने पासपोर्ट जमा करने के लिए कहा है। यह सीधा संकेत देता है कि वीजा संबंधी कार्यों के चलते ऐसा किया जा सकता है। बीसीसीआई फिलहाल आम चुनावों की तारीख को देख रहा है। अगर शैड्यूल फिट नहीं बैठेगा तो आईपीएल यूएई में ट्रांसफर किया जाएगा। इससे पहले 2009 में लोकसभा चुनावों के कारण पूरा आईपीएल दक्षिण अफ्रीका में करवाया गया था। ऐसी ही स्थिति 2019 में बनी थी तब टूर्नामेंट का पहला भाग यूएई में करवाया गया था।

यही नहीं, साल 2020 में पूरा आईपीएल कोविड के कारण संयुक्त अरब अमीरात में करवाया गया था। 2021 आईपीएल का दूसरा भाग भी ऐसा ही हुआ। कोविड हटा तो साल 2023 में पूरा आईपीएल भारतीय सरजमीं पर ही करवाया गया। बहरहाल, टूर्नामेंट का पहला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच 22 मार्च को चेन्नई में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने फिलहाल 7 अप्रैल तक के कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसमें सभी टीमें कम से कम चार मैच खेलेंगी और कुछ को पांच मैच भी खेलने होंगे।

धोनी आईपीएल के बीच में ही छोड़ सकते हैं कप्तानी : रायडू

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा है चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के बीच में ही कप्तानी छोड़कर किसी अन्य खिलाड़ी को ये जिम्मेदारी दे सकते हैं। सीएसके के लिए पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले रायुडू का मानना है कि भविष्य को देखते हुए माही आईपीएल के दौरान किसी युवा को चेन्नई का कप्तान बना सकते हैं।

पिछले सत्र में अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को सीएसके का कप्तान बनाया गया था पर लगातार असफल होने के कारण उन्होंने बीच में ही कप्तानी छोड़ दी थी। उसके बाद से ही ये जिम्मेदारी धोनी संभाल रहे हैं। उनकी कप्तानी में सीएसके को साल 2023 में पांचवीं बार खिताब मिला था।

रायुडू ने कहा ,'इंपैक्ट प्लेयर नियम के जरिए धोनी बीच के ओवरों में किसी और को कप्तानी सौंप सकते हैं। यह साल सीएसके के लिए बदलाव वाला हो सकता है। अगर यह उनका आखिरी साल है , अगर वह कुछ साल और खेलते हैं तो वह कप्तान बने रहेंगे। जहां तक मेरी बात है, मैं चाहूंगा कि वही कप्तान रहें।' धोनी ने हाल ही में फेसबुक पोस्ट में संकेत दिया था कि इस साल आईपीएल में वह नई भूमिका में होंगे। वहीं रायुडू इस सत्र में कमेंटेटर के तौर पर नजर आयेंगे। रायडू ने पिछले साल खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया था।

आईपीएल 2024 में विराट कोहली के पास इतिहास रचने का मौका, बस ये काम करके बन जाएंगे पहले भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के पास आईपीएल 2024 में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने का बड़ा मौका है। आईपीएल के 17वें सीजन की शुरुआत 22 मार्च से होगी और पहले ही मुकाबले में आरसीबी की सामना डिफेंडिंग चैंपियन सीएसके के साथ होगा। इस मैच में कोहली को महज 6 रन बनाने हैं और वो इतिहास रच देंगे।

कोहली इस लीग के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो पिछले 16 सीजन से सिर्फ आरसीबी के लिए खेल रहे हैं। उनके नाम पर इस लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने का साथ ही सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। यही नहीं उनके नाम पर एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का कीर्तिमान भी दर्ज है और साल 2016 में 973 रन बनाकर उन्होंने ये उपलब्धि अपने नाम दर्ज की थी, लेकिन अब टी20 प्रारूप में वह भारत की तरफ से 12,000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बनने के बिलकुल पास हैं।

आईपीएल के 17वें सीजन में 6 रन बनाते ही विराट कोहली टी20 क्रिकेट में अपने 12,000 रन पूरे कर लेंगे और वह क्रिकेट के इस फॉर्मेट में रन के इस आंकड़े को छूने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे।

विराट कोहली ने टी20 में अब तक कुल 11994 रन बनाए हैं। विराट कोहली ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 4037 रन बनाए हैं तो वहीं आईपीएल में 7263 रन उनके नाम पर दर्ज है। भारत की तरफ से इस वक्त विराट कोहली टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हों तो वहीं रोहित शर्मा उनके बाद दूसरे स्थान पर हैं।

टी20 में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 बल्लेबाज

विराट कोहली-11,1194 रन, रोहित शर्मा-11,156 रन, शिखर धवन- 9,465 रन, सुरेश रैना-8654 रन, केएल राहुल- 7066 रन.

अब समय बेकार नहीं कर पायेगी गेंदबाजी टीम , स्टॉप क्लॉक नियम होगा लागू

दुबई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने समय की बर्बादी को रोकने के लिए एकदिवसीय और टी20 में स्टॉप क्लॉक नियम को लाने का फैसला किया है। आईसीसी ने कहा है कि परीक्षण अवधि में सफल होने पर स्टॉप क्लॉक नियम को स्थायी रूप से लागू किया जाएगा। इस नियम को इसलिए लगाया गया है जिससे कि बीच में होने वाली समय की बर्बादी को रोका जा सके। ये नियम शुरू में दिसंबर 2023 में ट्रॉयल के आधार पर पेश किया गया था। इसे अब टी20 अंतराष्ट्रीय और एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय सहित सभी सफेद गेंद वाले क्रिकेट में लागू करने की सहमति आईसीसी ने दे दी है। स्टॉप क्लॉक नियम के अनुसार फील्डिंग टीम को एक ओवर समाप्त होने के बाद अगला ओवर 60 सेकेंड करीब एक मिनट के अंदर शुरू करना होता है। ओवर समाप्त होते ही स्टॉप वॉच ऑन हो जाएगी और फिर 60 सेकेंड के अंदर टीम को दूसरा ओदवर शुरू करना होगा। वहीं अगर गेंदबाजी करने वाली टीम ऐसा नहीं कर पाती है तो उन पर पेनल्टी लगती है। इस गलती के कारण फील्डिंग टीमों पर पांच रनों तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इससे पहले उन्हें दो बार चेतावनी भी मिलती है। सभी आईसीसी सफेद गेंद प्रारुप के लिए नियम को लागू किया जाएगा।

रणजी में सबसे अधिक रन बनाने वाले पांच खिलाड़ियों में रिकी भुई सहित चार युवा शामिल रहे

नई दिल्ली (ईएमएस)। रणजी ट्रॉफी में इस बार युवा खिलाड़ी छाये रहे हैं। इस बार टूर्नामेंट में रिकी भुई, सचिन बेबी सहित चार युवा खिलाड़ियों ने सबसे अधिक रन बनाए हैं। अनुभवी खिलाड़ियों की बात करें तो केवल चेतेश्वर पुजारा ही एकमात्र अनुभवी खिलाड़ी रहे जो अधिक रन बना पाये। वहीं हैरानी की बात ये है कि सबसे अधिक रन बनाने वालो में विजेता टीम मुम्बई का कोई भी खिलाड़ी शामिल नहीं है। इस सत्र में सबसे अधिक रन भुई के नाम रहे। भुई ने इस सत्र में 900 से भी अधिक रन बनाए हैं। भुई ने आंध्र प्रदेश की ओर से खेलते हुए 13 पारियों में कुल 902 रन बनाए हैं। उनका 75 के औसत से सबसे अधिक स्कोर 175 रन रहा है। इस दौरान इस बल्लेबाज ने 4 शतक और 3 अर्धशतक लगाए हैं। वहीं इस सत्र में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी सचिन बेबी हैं। सचिन बेबी ने इस सत्र में 800 से भी अधिक रन बनाए हैं। सचिन ने केरल की ओर से खेलते हुए 12 पारियों में कुल 830 रन बनाए हैं। उनका उच्चतम स्कोर 131 रन का रहा था। वहीं औसत करीब 83 के आस पास का रहा है।

बीसीसीआई रणजी खिलाड़ियों के लिए मैच फीस दोगुनी या तिगुनी करे : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि रणजी ट्रॉफी में खेलने वाले खिलाड़ियों की मैच फीस को बढ़ाकर दो से तीन गुना किया जाना चाहिए। हाल में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रणजी खिलाड़ियों की मैच फीस बढ़ायी है पर गावस्कर इसे पर्याप्त नहीं मानते। उन्होंने बीसीसीआई से कहा कि इसे दुगनी या तिगुनी करे। गावस्कर ने कहा, अगर रणजी ट्रॉफी की फीस दोगुनी या तिगुनी की जा सकती है, तो अधिक से अधिक खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी खेलना चाहेंगे। साथ ही कहा कि रणजी ट्रॉफी की फीस अधिक होने पर सभी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलना चाहेंगे। गावस्कर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट चलता रहेगा पर भविष्य में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज अब कम ही होगी। हो सकता है कि हर देश के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज केवल दो या तीन देश ही पांच टेस्ट खेल सकते हैं.' गावस्कर ने इसके बाद इंसेंटिव स्कीम का उदाहरण देते हुए कहा, जैसा कि भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने धर्मशाला टेस्ट के बाद कहा था कि इंसेंटिव स्कीम टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए एक ईनाम की तरह है। ऐसे में बीसीसीआई से मैं यह अनुरोध करूंगा कि रणजी खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए भी कुछ ऐसी ही योजना लाई जाए।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पेरिस ओलंपिक की तैयारियों का अच्छा अवसर मिलेगा: हरमनप्रीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि अगले माह पांच मैचों की सीरीज के लिए होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे से उनकी टीम को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा। हरमनप्रीत का मानना है कि आगामी पेरिस ओलंपिक में जीत के लिए उनकी टीम को कई क्षेत्रों में सुधार की जरुरत है। हरमनप्रीत ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के लिए उनकी टीम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम ने अंतिम बार 34 साल पहले साल 1980 में मास्को ओलंपिक में स्वर्ण जीता था। उसके बाद से ही टीम इसके करीब भी नहीं पहुंच पायी। टोक्यो ओलंपिक में हालांकि टीम ने कांस्य पदक जीतकर पदक

का लंबा इंतजार खत्म किया था।

हरमनप्रीत ने कहा कि अगर हम टीम के प्रदर्शन पर ध्यान दें तो यह अच्छा है। हम अतिआत्मविश्वास में नहीं हैं पर हम सभी बड़ी टीमों को कड़ी चुनौती दे रहे हैं। हमारी टीम आत्मविश्वास से भरी है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना है। इसके अलावा हम किसी अन्य चीज पर विचार नहीं कर रहे हैं। हमारा कोई अन्य लक्ष्य नहीं है।

भारतीय टीम ने पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में जीत दर्ज करने के बाद एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत कर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। इसके बाद उसने एफआईएच प्रो लीग में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम इस लीग में आठ मैच में 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। हरमनप्रीत ने कहा कि प्रो लीग के सभी मैच कठिन थे, लेकिन हमने अच्छा प्रदर्शन किया। हमने इन मैचों से काफी कुछ सीखा और टीम ने काफी सुधार किया। कुल मिलाकर हमने अच्छा प्रदर्शन किया।

ऋषभ , बुमराह ओर कमिंस सहित आईपीएल में वापसी करेंगे ये सात दिग्गज

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 सत्र से इस बार ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह सहित सात स्टार खिलाड़ी वापसी कर रहे हैं। इससे इस लीग का आकर्षण भी बढ़ना तय है। लीग के वापसी कर रहे इन खिलाड़ियों में के अलावा श्रेयस अय्यर, केन विलियम्सन पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जॉनी बेयरस्टो जैसे नाम शामिल हैं। इन खिलाड़ियों की वापसी से सबसे ज्यादा लाभ कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को होगा। केकेआर के दो खिलाड़ी उसे वापस मिले जाएंगे। इसमें श्रेयस अय्यर और मिचेल स्टार्क हैं। विकेटकीपर बैटर ऋषभ कार हादसे के करीब 15 महीने बाद मैदान पर वापसी करेंगे। ऋषभ पिछले आईपीएल से बाहर रहे थे। ऐसे में उनके दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करने की उम्मीद है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी फिट नहीं होने के कारण आईपीएल के पिछले सत्र से बाहर रहे थे। इस बार वह बेहतरीन लय में नजर आ रहे हैं। बुमराह ने हाल ही में खत्म हुई भारत-इंग्लैंड सीरीज में 19 विकेट लिए थे। केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर भी एक साल के बाद आईपीएल में खेलेंगे। उनकी वापसी से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। अय्यर पिछले साल चोट के कारण आईपीएल नहीं खेल पाए थे।वहीं ऑस्टेलिया के मिचेल स्टार्क इस बार केकेआर की ओर से खेलते दिखेंगे। केकेआर ने स्टार्क को 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा है। स्टार्क 8 साल बाद आईपीएल में लौटे हैं। ऑस्टेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस भी आईपीएल में एक साल बाद लौट रहे हैं। कमिंस ने गत वर्ष व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए आईपीएल से नाम वापस ले लिया था। इस बार वह सनराइजर्स हैदराबाद ने की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे। कमिंस को 20.50 करोड़ रुपए में खरीदा है और उन्हें कप्तान भी बनाया है। वहीं न्यूजीलैंड के केन विलियम्सन के लिए आईपीएल 2023 अच्छा नहीं रहा था। विलियम्सन तब चोटिल होने के कारण वे पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इस बार वे फिट हैं और गुजरात टाइटंस की ओर से खेलने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो भी आईपीएल 2023 में पंजाब किंग्स के लिए नहीं खेल पाए थे। उन्होंने लीग से ठीक पहले सर्जरी कराई थी और रिकवरी के लिए उन्हें मैदान से बाहर रहना पड़ा था पर इस बार वह फिट हैं और खेलने के लिए तैयार हैं।

हार्दिक को लेकर प्रवीण ने बीसीसीआई पर निशाना साधा, वह चांद से नहीं आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर प्रवीण कुमार ने आईसीसी अनुबंध को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर पक्षपात का आरोप लगाय है। प्रवीण ने कहा एक ओर से घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने पर ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को बाहर कर दिया गया है। वहीं ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को अनुबंध सूची में बरकरार रखा है जबकि पंड्या भी घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं। पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण ने तंज कसते हुए कहा कि पंड्या कोई चांद से उतर के नहीं आया है।

प्रवीण ने कहा, पंड्या क्या चांद से उतर के आया है। अन्य लोगों की तरह ही उन्हें भी घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। उनके लिए कोई अलग नियम नहीं रखा जा सकता। बीसीसीआई को अपनी इस नीति का कारण भी बताना होगा। साथ ही सवाल किया कि पंड्या केवल घरेलू क्रिकेट में टी20 टूर्नामेंट ही क्यों खेलेंगे? उन्हें टेस्ट और टी20 सहित हर प्रारुप में खेलना होगा।

पंड्या ने भारतीय टीम की ओर से छह साल से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट इंग्लैंड के खिलाफ साल 2018 में खेला था। इसके बाद से ही वह टेस्ट मैच से बाहर हैं। वह केवल भारतीय टीम की ओर से टी20 और एकदिवसीय मैच में भाग लेते हैं। घरेलू क्रिकेट की बात करें तो वह केवल 20 ओवर के मैच में हिस्सा लेते हैं। हाल में ही उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अपनी टीम की ओर से खेला था। पंड्या ने अब तक भारत की ओर से कुल 92 टी20 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 1348 रन बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 71 का रहा है। वहीं गेंदबाजी करते हुए हार्दिक ने 92 मैचों की 82 पारियों में कुल 73 विकेट लिए हैं।

आरसीबी की पुरुष टीम के साथ जो होता है उससे मेरा कोई संबंध नहीं : स्मृति मंधाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की कप्तान स्मृति मंधाना रविवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले महिला प्रीमियर लीग फाइनल से पहले अपनी टीम पर ज्यादा दबाव नहीं डालना चाहती और उनका कहना है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग में फ्रेंचाइजी की पुरुष टीम से तुलना करने के मूड में नहीं हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की पुरुष टीम पिछले 17 साल में एक भी आईपीएल खिताब नहीं जीत पाई है लेकिन वह 3 बार उपविजेता (2009, 2011, 2016) रही है। लेकिन डब्ल्यूपीएल के दूसरे ही सत्र में मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी महिला टीम को खिताब जीतने का शानदार मौका मिल गया है।

मंधाना ने कहा कि पहले तो मुझे लगता है कि यह साल हमारे लिए पूरी फ्रेंचाइजी से जुड़ने के लिए काफी अहम था। पुरुष टीम के साथ जो हुआ, कभी कभार इससे दबाव होता है। इसलिये हम सिर्फ यही सोच रहे हैं कि हमने ज्यादा तनाव नहीं लेना है। पुरुष टीम के साथ क्या हुआ, हमें उससे कुछ लेना देना नहीं है।

आरसीबी के लिए डब्ल्यूपीएल का पहला सत्र इतना अच्छा नहीं रहा था जिसमें टीम लीग तालिका में चौथे स्थान पर रही थी। लेकिन मंधाना का मानना है कि वर्तमान में रहना अहम है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट ने जो सिखाया है, उसके अनुसार वर्तमान में रहना अहम है। यह मैच के दिन अच्छा क्रिकेट खेलने के बारे में हैं और कल के मुकाबले में जो भी टीम अच्छा करेगी खिताब जीतेगी। मंधाना फाइनल की प्रतिद्वंद्वी टीम की कप्तान मेग लैनिंग का बहुत सम्मान करती हैं लेकिन उन्हें लगता है कि कप्तान हमेशा टीम के जितना ही अच्छा होता है।

मंधाना ने कहा कि हम कप्तान की भूमिका को बहुत अधिक तवज्जो देते हैं लेकिन कप्तान टीम के जितना ही अच्छा होता है। कल भी कुछ नहीं बदलेगा, हम दिल्ली कैपिटल्स की अच्छी टीम के खिलाफ खेलेंगे जिसने पिछले 2 सत्र में काफी अच्छा क्रिकेट खेला है। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा लैनिंग से प्रेरणा लेती हूं, वह बल्लेबाजी को बखूबी समझती है। उन्होंने मुझे सिखाया कि अन्य खिलाड़ियों से किस तरह प्रेरणा ली जाए। जब मैंने पदार्पण किया था तो लैनिंग आस्ट्रेलिया के शीर्ष स्कोरर थीं। उन्हें खेलते हुए देखना अच्छा लगता है।

लैनिंग ने उम्मीद जताई कि उनकी खिलाड़ी रविवार को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलकर खिताब जीतेंगी जिससे वे पिछले साल चूक गए थे। दिल्ली कैपिटल्स पिछले साल फाइनल में मुंबई इंडियंस से हारकर उप विजेता रही थी। लैनिंग ने कहा कि हम कल के लिए अच्छी तरह तैयार हैं। यह शानदार मैच होगा। हम खिताब जीतने का मौका मिलने से उत्साहित हैं और मैदान में जाकर इसे जीतना चाहते हैं। हम

टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना चाहते हैं।

आईपीएल में अवसर नहीं मिलने से निराश नहीं हैं मुशीर खान

मुम्बई । अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट के बाद रणजी ट्रॉफी में भी शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज मुशीर खान ने कहा है कि आईपीएल निलामी में नहीं बिकने से निराश नहीं है। मुशीर का मानना है कि इससे भी उन्हें इस प्रारुप को समझने के लिए पर्याप्त समय मिल गया है। जिसका आने वाले समय में लाभ ही होगा। मुशीर ने पिछले कुछ सममय में अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इस क्रिकेटर ने रणजी ट्राफी फाइनल में भी शतक लगाकर मुम्बई की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस युवा क्रिकेटर का कहना है कि वह आने वाले समय में आईपीएल में भी बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। मुशीर ने कहा, ''मेरा नाम आईपीएल में नहीं है पर में इससे परेशान नहीं हूं। मेरे पिता ने मुझे कहा कि टेस्ट क्रिकेट और टीम इंडिया के लिए खेलो। आईपीएल बाद में खेलने का अवसर मिल जाएगा।''

कटहल की खेती दे भरपूर फायदे

गुरदासपुर के एक किसान ने अपने खेत में कटहल के वृक्ष लगाए। यह वृक्ष लगभग 13 से 15 वर्षों के दरम्यान भरपूर फल देने लगता है। यह फल लगभग 12 रुपये से लेकर 50 रुपये किलो के हिसाब से बिकता है। सब्जी मंडी वाले स्वयं ही फल तोड़कर ले जाते हैं। एक कटहल तीन किलो से लेकर 16 किलो तक हो जाता है। यह वृक्ष बोहड़ या पीपल की भांति विशाल, ऊंचा–चौड़ा होता है।

कटहल को अंग्रेजी में ब्रेड फ्रूट तथा संस्कृत में इसको 'पनस' कहते हैं जिसके अर्थ हैं कटहल या कांटा। कटहल के वृक्ष को फल जड़ से लेकर तनों तथा शाखाओं तक लगता है। एक वृक्ष से क्विंटलों के हिसाब से फल उतरता है तथा कई माह तक रहता है। बेशक कटहल एक फल है। इसका आचार तथा स्वादिष्ट सब्जी बनती है। पक जाने पर यह बीच से मीठा होता है। कटहल की ऊपरी चमड़ी रोएंदार, कील जैसी खड़ी खुरदरी होती है। भारत के पूर्व वाले क्षेत्र तथा बर्मा, बिहार, गोरखपुर में ज्यादा पाया जाता है। दक्षिण भारत का पूर्वी तथा पश्चिमी तट कटहल का असली घर है। पंजाब में भी कटहल की बिजाई कामयाब हो रही है। कटहल में कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन, तेल, रेशे, विटामिन बी, सोडियम, लोहा, फासफोर्स, पोटाशियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं।

कटहल का वृक्ष 40 से 60 फुट ऊंचा हो जाता है। इस वृक्ष को मार्च-अप्रैल के दो माह दो प्रकार के नर तथा मादा अलग-अलग फल पड़ते हैं। इसके नर फल लम्बे तथा मादा गोल होते हैं। इसका फल मई से जुलाई तक सब्जी बनाने के काम आता है। इसके वृक्ष दो प्रकार के होते हैं। एक किस्म के वृक्ष के फल बीज वाले होते हैं तथा दूसरे में बीज नहीं होते। पंजाब में बीज वाले ही वृक्ष कामयाब हैं। यह गर्म क्षेत्र का वृक्ष है और पंजाब का जलवायु इसके लिए बहुत ही अनुकूल है। इस वृक्ष के नीचे लम्बे समय तक पानी खड़ा नहीं होना चाहिए। जून के माह यह वृक्ष फल से गुच्छों के रूप में भरपूर हो जाता है। अधिक पैदावार लेने के लिए दिसंबर-जनवरी के माह में इसकी कांट-छांट कर देनी चाहिए, अगर कांट-छांट न की जाए तो फल कम पड़ता है।

कटहल पौधों की बुआई कटहल के पक्के फल के बीजों से की जाती है तथा बिन बीज वाले पौधों की बुआई बिन बीज वाले कटहल के पौधों की जड़ से नए पौधे लिए जाते हैं। कटहल के बीज वाले फल को बीज पड़ते हैं तथा ऊपर ही पकने वाले फल से बीज निकाल कर बोए जाएं तो भी उगते हैं। फरवरी माह या फिर बरसातों में ही इसके पौधे खेतों में लगाएं।

प्रथम दो-तीन माह इनकी संभाल बहुत अनिवार्य है। एक से दूसरे पौधे की दूरी 40 फुट तक होनी चाहिए। जड़ से पैदा किए पौधे को 5-6 वर्षों बाद ही फल पड़ जाता है परन्तु बीज वाले पौधे को आठ से दस वर्ष बाद ही फल पड़ता है। इसके टूटे हुए फल को अगर खुली हवा में न रखा जाए तो एक सप्ताह में ही यह हल्का होकर पिचक जाएगा। इसकी लकड़ी पीले रंग की होती है तथा बहुत अच्छी किस्म की होती है। इसकी लकड़ी को दीमक नहीं लगता। इसकी लकड़ी से दरवाजे, खिड़कियां तथा फर्नीचर आदि बनता है। पॉलिश करने पर इसका काठ भव्य लगने लगता है। इसके बुरादे से एक प्रकार का पीला रंग बनता है जिससे बर्मा में आज बौद्ध-भिक्षु अपने वस्त्र रंगा करते हैं। इसकी छाल के काढ़े से भी रंग तैयार होता है।

कटहल की खेती अपनायें-खूब लाभ कमायें

कटहल के पौधे दीर्घ जीवी अधिक लाभ देने वाले विटामिन ए, सी तथा खनिज पदार्थों से भरपूर होते है। इनके फलों का उपयोग मुख्य रूप से सब्जी एवं अचार के लिए किया जा सकता है। यदि किसान कटहल का उत्पादन व्यवसाय रूप से करें तो उन्हें अधिक लाभ हो सकता है। वर्तमान में उद्यानिकी विभाग द्वारा विषेष तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहायता दी जा रही है। जिसका किसान लाभ ले सकें।

कटहल मध्यप्रदेश के सभी जलवायु क्षेत्रों में उगाया जा सकता है। इसके लिए पानी के निकास वाली गहरी उपजाऊ दोमट भूमि अच्छी रहती है। यह पौध अधिक सर्दी, गर्मी सहन नहीं कर पाता है किन्तु पर्याप्त प्रकाष मिलने पर इसका उत्पादन अच्छा हो जाता है।

कटहल की दो किस्में होती है। कडे गूदे वाली व मुलायम गूदे वाली इसकी जो प्रमुख जातियां है उनमें रूद्धाक्षी, सिंगापुर, मुत्तम, वारीखाल व खाजा। रूद्धाक्षी के फल छोटे व कांटे वाले होते है इनका वजन 4 से 5 किलो तक होता है। पूर्ण अवस्था प्राप्त वृक्षों से 500 से अधिक फल प्राप्त होते यह सब्जी के लिए उपयुक्त किस्म है। सिंगापुर जाति का वजन 7 से 10 किलो तक होता है गूदा मीठा फुर्रफुरा व पीले रंग का होता है। मुत्तम औसत 7 किलोग्राम तक का फल लगता है। सबसे बडे फल वाली किस्म खाजा है यह इसमें सफेद कोये वाले फल का भार 25 से 30 किलोग्राम तक होता है। इसके कोये पकने पर दूध की भांति सफेद रसदार एवं कोमल होते है।

कटहल का उद्यान लगाने के लिए चयनित स्थान पर रेखांकन कर 10 मीटर कतार से कतार एवं 10 मीटर पौधे की दूरी पर एक मीटर लंबे चौडे एवं गहरे आकार के गड्ढों को खोदकर मई के अंतिम सप्ताह या जून के प्रथम सप्ताह में खेत की मिट्टी व गोबर की खाद के मिश्रण के साथ 500 ग्राम सुपर फासफेट, 500 ग्राम पोटास एवं 50 ग्राम ऐलडेग्स चूरण मिलाकर भर दिये जाते है। वर्षा ऋतु में पौध के रोपण हेतु उपयुक्त समय होता है। पौध रोपण के बाद मिट्टी को अच्छी तरह से दबा देते है और नियमित देखभाल की जाती है। पौधों में संतुलित मात्रा में 1 से 6 वर्ष तक गोबर की खाद एवं उर्वरक की मात्रा दी जाती है। पौधों की सिंचाई हेतु गर्मी में 15 दिन व सर्दी ऋतु में 1 माह में सिंचाई की जाती है। दो तीन वर्ष की उम्र के पौधों की गर्मी के समय 7 दिन व ठंड में 15 दिन में सिंचाई करना ठीक रहता है।

कटहल के वृक्ष में नर एवं मादा फूल आते है। नर पहले व मादा वाद में आते है। नर फूल बाद में झण जाते है। मादा फूल मुख्य तने से लेकर प्रारंभिक तथा सहायक शाखाओं में लगे रहते है। अच्छी फसल के लिए कीट व्याधी उपचार हेतु समय-समय पर दवाओ का छिडकावं जरूरी है। कटहल की उपज औसतन 10 से 15 वर्ष पष्चात् 100 से 250 फल प्रति वृक्ष प्राप्त होते है। फलों का भार 5 से 30 किलोग्राम तक होता है और मार्च से जून तक प्राप्त होते है।

बिना जुताई के बोआई करने वाली मशीन

आज के आधुनिक जहां हर क्षेत्र में नई नई तकनीके आ रही हैं वहीं कृषि क्षेत्र में भी उत्पादन बढ़ाने के लिए हमारे वैज्ञानिक भी लगे हुए हैं और सफल भी हुए हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि कम समय और कम लागत में कृषि उत्पादन बढ़ाया जा सकता है और इसी को ध्यान में रखते हुए कई प्रकार के कृषि यंत्रों का निर्माण ही नहीं किया गया बल्कि उनसे कृषि उत्पादन बढ़ाने में कई अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। नए-नए कृषि यंत्रों से जहां किसानों का समय बचा है वहीं उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। भारत के किसानों ने खेती के उत्पादन बढ़ाने के लिए कई तरह के यंत्रों का उपयोग अपनी खेती किसानी के लिए किया है।